ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज
(दिल्ली विश्विद्यालय)

प्रॉस्पेक्टस
2024-25

“नई दिशा उज्जवल भविष्य ”

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, नई दिल्ली - 110002
फोन : 01123233420, 011-23232218
ईमेल : admission@zh.du.ac.in
प्रवेश सम्बन्धी शिकायतें : grievanceadmission2024@zh.du.ac.in
वेबसाइट : zakirhusaindelhicollege.ac.in

विषय सूची

पेज नं

1 प्राचार्य संदेश 9

2 हमारे कॉलेज की 300 साल की विरासत 10

3 हमारे कॉलेज के मूल्य 11

4 सर्टिफिकेट कोर्स 13

5 कॉलेज विभाग 15

6 कॉलेज सुविधाएँ 32

7 कॉलेज सोसाइटीज 36

8 प्रवेश 53

- 8.1 कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता
- 8.2 प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या
- 8.3 कोर्स-वाइज फीस
- 8.4 प्रवेश समिति

9 छात्रवृत्ति और पुरस्कार 70

10 नियम और विनियम 73

11 कॉलेज प्रशासन 75

12 यूजीसीएफ-2022 76

झलकियाँ 2023-24

JOB FAIR 24

DASHRATH MANJHI
ROCK GARDEN
Zakir Husain Delhi College
Rock Garden

VIKSIT BHARAT @ 2047
SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS

झलकियाँ 2023-24

NATIONAL YOUTH CONVENTION
TAARUNYA

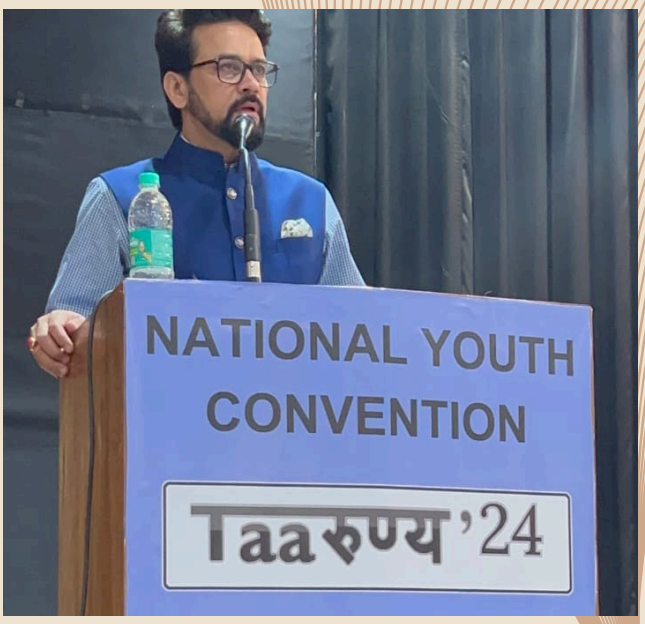
NATIONAL YOUTH
CONVENTION
Taaरुण्य '24

जयश्रीराम

ZAKIR HUSAIN DELHI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
GANDHI STUDY CIRCLE

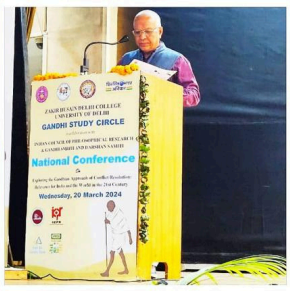
GANDHI STUDY CIRCLE
National Conference
Wednesday, 20 March 2024

ZAKIR HUSAIN DELHI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
GANDHI STUDY CIRCLE

GANDHI STUDY CIRCLE
National Conference
Wednesday, 20 March 2024

झलकियाँ 2023-24

Master Ramchandra Vatika

G20
2023 INDIA
भारत
ZAKIRHUSAINDELHI COLLEGE

झलकियाँ 2023-24

UNIVERSITY OF DELHI &
VIKSIT BHARAT AMBASSADOR
Present
RUN

वीरांगना दुर्गावती
उद्यान

Saraswati Vandana

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥१॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥२॥

Ya Kundendu Tusharahara Dhavala
Ya Shubhra Vastravrita
Ya Veena Varadanda Manditakara
Ya Shveta Padmasana
Ya Brahmachyuta Shankara
Prabhritibhir Devaih Sada Pujita
Sa Mam Pattu Saravatee
Bhagavatee Nihshesha Jadyapaha॥1॥

Shuklam Brahmavichara Sara,
Parmamadyam Jagadvyapineem
Veena Pustaka Dharineema
Bhayadam Jadyandhakarapaham।
Haste Sphatikamalikam Vidadhateem
Padmasane Samsthitam
Vande Tam Parmeshvareem Bhagwateem
Buddhipradam Sharadam॥2॥

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय – जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुंदर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय – जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएं दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रांति संस्कारों का उदगम
जयति जय जय –जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुंदर दिव्य दिल्ली
विश्विविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेंद्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

प्राचार्य संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय सत्रहवीं शताब्दी से निरन्तर इस देश के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक जीवन को गति देता आ रहा है। हम अपनी 300 वर्षों की विरासत एवं महान परंपरा के साथ उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की ओर निरंतर अग्रसर हैं। यह महाविद्यालय देश-विदेश से आए प्रतिभाशाली छात्रों का स्वागत करते हुए उनकी प्रतिभा को निखारने व उनमें शैक्षणिक ऊर्जा भरने का प्रयास करता है।

हमारे महाविद्यालय का ध्येय वाक्य है प्यार से जियो (live by love) जो प्रेम भाव से ज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। यह ध्येय वाक्य भिन्न-भिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक-भाषिक समुदाय से आये विद्यार्थियों में भारतीयता की पहचान कराते हुए उनकी मानवीय संवेदना को फूलने-फलने का सहज परिवेश प्रदान करता है।

महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष अकादमिक सम्मेलन, कार्यशालाएँ, व्याख्यान के साथ ही विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन गतिविधियों के साथ ही एन.एस.एस., एन.सी.सी जैसी गतिविधियों में भाग लेकर छात्र अपने व्यक्तित्व-निर्माण में अग्रसर होते हैं।

अपने प्राध्यापकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों के सामूहिक सहयोग से हमारा महाविद्यालय विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निश्चित कर रहा है। आशा है यह क्रम अपनी पूरी ऊर्जा से यूं ही निरंतर चलता रहेगा और छात्र-छात्राएं महाविद्यालय के संस्थापकों के स्वप्न को पूरा करते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे। मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर वैज्ञानिक-प्रगतिशील दृष्टिकोण व उदार मानवतावादी मूल्यबोध और राष्ट्रीय चेतना से भरे ऊर्जावान नागरिक के रूप में अपने छात्रों का भविष्य निर्माण करने का प्रयास करेंगे।

यह पुस्तिका प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को महाविद्यालय के रचनात्मक गतिविधियों से परिचित कराने का एक माध्यम है। इसमें छात्र महाविद्यालय में वर्ष भर में होने वाली गतिविधियों एवं कार्यक्रमों से परिचित हो सकेंगे। मैं नवागांतुक छात्रों के स्वागत के लिए तत्पर हूँ। मुझे विश्वास है आपकी प्रतिभा व समर्पण महाविद्यालय को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगी, महाविद्यालय की आपकी यात्रा न केवल यादगार रहेगी बल्कि आपके व्यक्तित्व के निर्माण का एक यादगार पल होगी।

प्रोफेसर नरेंद्र सिंह
प्राचार्य

300 साल की विरासत

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज का सफर साहित्य, विज्ञान और कला के लिए ओरिएंटल कॉलेज के रूप में शुरू हुआ. 1825 में, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार द्वारा संस्थान का नाम बदलकर दिल्ली कॉलेज कर दिया गया। 1828 में, कॉलेज ने अंग्रेजी भाषा, साहित्य और विज्ञान में अध्ययन का एक नया पाठ्यक्रम जोड़ा। इसलिए, ज्ञान की पारंपरिक प्रणालियों को संरक्षित करने के अलावा, दिल्ली कॉलेज देश में अंग्रेजी शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी था, प्राच्य और पश्चिमी बौद्धिक परंपराओं के बीच एक रचनात्मक जुड़ाव प्रदान करना, खासकर 1857 के विद्रोह से पहले। कॉलेज ने एक विशिष्ट विविध सांस्कृतिक माहौल प्रदान करके शहर की जरूरतों का जवाब दिया जो समग्र संस्कृति और आपसी आवास की भावना को पोषित करता था। बीसवीं शताब्दी की शुरुआत तक यह जीवंत वैज्ञानिक और साहित्यिक बौद्धिक गतिविधियों का केंद्र बन गया जिसे 'दिल्ली पुनर्जागरण' कहा जाएगा। 1842 में, कॉलेज कश्मीरी गेट के पास दारा शिकोह के पुस्तकालय में स्थानांतरित हो गया और 1843 में दिल्ली कॉलेज ट्रांसलेशन सोसाइटी को इसके सहायक के रूप में स्थापित किया गया। 1857 के विद्रोह के बाद संस्था कई उतार-चढ़ावों से गुजरी। ब्रिटिश अधिकारियों ने विद्रोह के बाद संस्थान को बंद कर दिया। 1864 और 1871 के बीच इंटरमीडिएट बैचलर ऑफ आर्ट्स और मास्टर ऑफ आर्ट्स कक्षाएं शुरू हुईं। हालांकि, ब्रिटिश सरकार ने 1877 में दिल्ली ओरिएंटल कॉलेज को लाहौर में स्थानांतरित कर दिया। इसे 1924 में एंग्लो-अरबी इंटरमीडिएट कॉलेज के रूप में पुनर्गठित किया गया था। कॉलेज 1925 में दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध था और 1929 में इसके घटक डिग्री कॉलेजों में से एक बन गया। विभाजन के बाद भीड़ ने कॉलेज पर हमला किया और आग लगा दी। किसी तरह, पुस्तकालय और कार्यालय के रिकॉर्ड सहेजे गए। डॉ जाकिर हुसैन और अन्य लोगों के समर्थन से, दिल्ली कॉलेज को 1948 में पुनर्जीवित किया गया था। 1975 में, संस्थान में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए कॉलेज का नाम बदलकर डॉ जाकिर हुसैन कॉलेज कर दिया गया। 1986 में, कॉलेज परिसर को अपने वर्तमान स्थान, जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थानांतरित कर दिया गया था। भौगोलिक रूप से तुर्कमान गेट के बाहर कॉलेज का वर्तमान स्थान और प्रतीकात्मक रूप से पुरानी दिल्ली को नई दिल्ली के साथ एकजुट करता है, पुरानी परंपराओं को प्रगति और आधुनिकता की ओर मिलाना। माननीय प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में जुलाई, 2010 में आयोजित जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से कॉलेज का नाम बदलकर जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज करने का संकल्प लिया गया था। तीन शताब्दियों की अपनी यात्रा में, जो अपरिवर्तित है, वह है धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील मूल्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ ज्ञान के प्रसार और वैज्ञानिक स्वभाव के निर्माण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता। कॉलेज ने मूल्यांकन के अपने पहले चक्र में वर्ष 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से ग्रेड 'ए' हासिल किया। इसके अलावा, संस्थान को डीबीटी-स्टार कॉलेज का दर्जा दिया गया जो वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करने के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हमारे कॉलेज के मूल्य

हमारे लिए शिक्षा केवल सूचना का पीछा करना नहीं है। हम युवा दिमाग के समग्र विकास में विश्वास करते हैं। हमारा कॉलेज पेशेवर मूल्यों में उत्कृष्टता, व्यक्तिगत कौशल का सम्मान करने और सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहलुओं की देखभाल करते हुए प्रतिभा का पोषण करने के लिए खड़ा है। हमारे कॉलेज के मूल मूल्य निम्नलिखित हैं।

संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य: हम भारत के संविधान में निहित आदर्शों और आचरण के नियमों का सम्मान करते हैं और हमेशा उनका पालन करते हैं। यह कॉलेज जीवन में अनुशासन और प्रतिबद्धता की भावना पैदा करता है।

नैतिक अखंडता: नैतिक सिद्धांत किसी भी संस्था का आधार हैं। हमारा कॉलेज दूसरों के बीच प्रतिबद्धता, समान उपचार, न्याय की भावना के पारंपरिक मूल्यों को कायम रखता है। हम उच्चतम शैक्षणिक, पेशेवर और नैतिक अखंडता का भी प्रदर्शन करते हैं।

विविधता और सहयोग: हमारा कॉलेज अपने विविध कार्यबल और छात्र समुदाय और एक समग्र संस्कृति पर गर्व करता है। इस विषम समुदाय की ताकत और हितों का उपयोग संस्था में एक सहयोगी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। यह रचनात्मक उत्पादन, अधिक नवाचार और अधिक दक्षता को बढ़ावा देता है।

नवाचार और अनुसंधान: हम लगातार नए विचारों को विकसित करने और उच्च उत्पादकता को सक्षम करने के लिए शिक्षण-अधिगम गतिविधि में नई प्रक्रियाओं को लागू करने का प्रयास करते हैं। हम अपने परिसर को डिजिटल रूप से सशक्त स्थान बनाने के लिए भी लगातार काम कर रहे हैं। यह बदलते समय के साथ तालमेल रखने में मदद करता है।

पर्यावरण और सतत विकास: पर्यावरण जीवन को बनाए रखता है और हमारे प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करके पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना हमारी प्रमुख चिंता है। हम अपने बगीचे में प्रचुर मात्रा में पौधा लगाते है,जो कॉलेज परिसर में एक हरा - भरा वातावरण और सद्भाव प्रदान करता हैं।

शारीरिक शिक्षा और खेल: कॉलेज में खेल गतिविधियाँ फिट इंडिया मूवमेंट के अनुरूप हैं, भारत सरकार की एक पहल जो शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन शैली पर केंद्रित है। हम अपने छात्रों को उनकी शारीरिक क्षमता और प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली: हमारा प्रयास है कि हम भारत के समृद्ध स्वदेशी लोकाचार में निहित रहें और शिक्षाविदों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के साथ खुद को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित करें। कॉलेज सक्रिय रूप से वैदिक गणित, आयुर्वेद और भारतीय दर्शन जैसे विषयों के माध्यम से वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करता है। इसके अलावा, संस्थान भविष्य के एनईपी पाठ्यक्रम के दृष्टिकोण के अनुरूप छात्रों के समग्र विकास के लिए योग विज्ञान और ध्यान के एकीकरण को प्रोत्साहित करता है।

विकसित भारत@2047 के लिए विजन: संस्थान आज के युवाओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं, विचारकों, शिक्षकों और प्रशासकों की अगली पीढ़ी बनने के लिए तैयार हैं, जो सामूहिक रूप से भारत की सफलता की कहानी को आगे बढ़ाएंगे क्योंकि यह 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष का गवाह है, जो आर्थिक और सामाजिक रूप से स्वतंत्र भारत के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्वजों के सपने को साकार करता है।

राष्ट्रीय भाषा के रूप में – हिंदी

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में, हम भारत की राष्ट्रीय भाषा (राष्ट्रीय भाषा) के रूप में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। अपनी सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध भाषाई विविधता को अपनाते हुए, हम हिंदी को केवल संचार के माध्यम के रूप में नहीं बल्कि अपनी राष्ट्रीय पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में मानते हैं। हिंदी को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता कक्षा से परे फैली हुई है, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक पहल शामिल हैं जो इसके महत्व को उजागर करती हैं। हिंदी दिवस और साहित्यिक उत्सवों जैसे आयोजनों के माध्यम से, हम एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देते हैं जहां छात्र हिंदी साहित्य, भाषा और सांस्कृतिक विरासत की अपनी समझ को गहरा कर सकते हैं। इसके अलावा, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज कई पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रदान करता है जो हिंदी के अध्ययन और प्रशंसा का समर्थन करते हैं। चाहे भाषा पाठ्यक्रमों के माध्यम से, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताएं, या बहस, छात्र हिंदी के विकास, समकालीन समाज में इसके प्रभाव और भारत की सांस्कृतिक टेपेस्ट्री को आकार देने में इसकी भूमिका की खोज में सक्रिय रूप से संलग्न होते हैं। हिंदी और हमारे राष्ट्रीय संवाद में इसके योगदान के लिए गहरा सम्मान पैदा करके, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज भाषाई विविधता के लिए गहरी प्रशंसा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक चिंतन की व्यापक समझ के साथ छात्रों को सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

भीष्म साहनी द्विवार्षिक पुस्तक मेला

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने सम्मानित भीष्म साहनी द्विवार्षिक पुस्तक मेले का आयोजन किया,इस माध्यम से पाठकों को साहित्य पढ़ने औरसमझने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रसिद्ध नाटककार और साहित्यिक व्यक्ति के सम्मान में नामित, मेला एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है जो देश भर के पुस्तक प्रेमियों, लेखकों, प्रकाशकों और बुद्धिजीवियों को एक साथ लाता है। भीष्म साहनी द्विवार्षिक पुस्तक मेला विभिन्न शैलियों में क्लासिक साहित्य से लेकर समकालीन लेखन तक, साहित्यिक कार्यों की एक विविध श्रेणी की खोज के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करता है। छात्र और संकाय समान रूप से खुद को एक समृद्ध वातावरण में आत्मसात हो के नए दृष्टिकोण खोजते हैं, साहित्यिक चर्चाओं में संलग्न होते हैं और साथ ही प्रशंसित लेखकों और विद्वानों के साथ बातचीत कर सकते हैं। यह आयोजन न केवल पढ़ने और बौद्धिक जांच की संस्कृति को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक विमर्श को आकार देने में साहित्य की भूमिका के प्रति गहरी सराहना को भी बढ़ावा देता है। भीष्म साहनी द्विवार्षिक पुस्तक मेले के माध्यम से, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज आजीवन शिक्षार्थियों के एक समुदाय को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है जो पुस्तकों और विचारों की परिवर्तनकारी शक्ति को महत्व देते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स: मशीन लर्निंग

मशीन लर्निंग की मूल बातें पर एक व्यापक 40 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स 18 मार्च 2024 को यूजी/पीजी छात्रों, शोधकर्ता विद्वानों और संकायों के लिए समन्वयक डॉ. धीरज कुमार सिंह, गणित विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज द्वारा शुरू किया गया था। इस कोर्स को प्रतिभागियों को आवश्यक अवधारणाओं, हाथों पर अनुभव, और वास्तविक दुनिया परिदृश्यों में मशीन-लर्निंग तकनीकों को लागू करने की क्षमता की ठोस समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। मशीन लर्निंग का परिचय, डेटा और सांख्यिकी के मूल सिद्धांत, पर्यवेक्षित शिक्षा, असुरक्षित शिक्षा, मॉडल मूल्यांकन और हाइपरपैरामीटर ट्यूनिंग, मशीन लर्निंग पुस्तकालयों और अनुप्रयोगों का परिचय पाठ्यक्रम के प्रमुख विषय हैं। जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. डॉ. संजय यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ पीपल, संयुक्त राज्य अमेरिका; राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बिजनौर के गणित विभाग के डॉ. प्रवेश कुमार कोर्स विशेषज्ञ थे। और डॉ विकास मित्तल, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम विशेषज्ञ थे।

सर्टिफिकेट कोर्स: अहिंसक संचार

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज गांधी स्मृति और दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से समन्वयक प्रोफेसर संजीव कुमार द्वारा शुरू किए गए अहिंसक संचार पर एक अल्पकालिक मूल्य वर्धित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान किया गया । गांधीवादी दर्शन से अंतर्दृष्टि आकर्षित करते हुए, पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अहिंसक संचार के अंतर्निहित लोकाचार को समझने में मदद करना है। यह छात्रों को प्रभावी संचार विधियों के बारे में जानने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है जो समझ, संवाद, सहानुभूति और शांतिपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देते हैं। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को संघर्षों को शांतिपूर्वक हल करने के लिए प्रभावी शिक्षण विधियों और तकनीकों से लैस करना है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय या भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए खुला है।

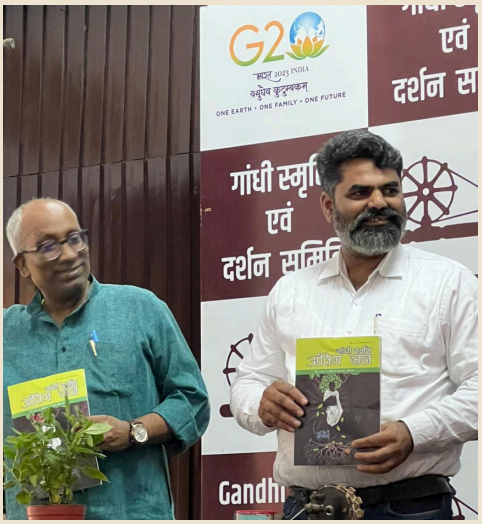

विभाग

अरबी विभाग

कॉलेज में अरबी के शिक्षण का पता कॉलेज की उत्पत्ति के साथ 17 वीं शताब्दी के समापन वर्षों से माना जा सकता है। अरबी विभाग, अपने समर्पित, सक्षम और प्रतिबद्ध शिक्षकों के साथ, छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है और बीए अरबी ऑनर्स एवं वैकल्पिक विषय प्रदान करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग अपने स्नातकों को भारत और विदेशों में विविध शैक्षणिक और व्यावसायिक कैरियर की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार करने में सक्षम बनाता है। पाठ्यक्रम विभिन्न उद्देश्यों के लिए अरबी भाषा को विशेष महत्व देता है जैसे कि पर्यटन के लिए अरबी, कार्यात्मक अरबी, बोली जाने वाली अरबी आदि । अग्रिम चरण में, यह शास्त्रीय अरबी सिखाता है और लेखन कौशल और अनुसंधान पद्धति पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

डॉ. मो. कासिम

विभाग, फ्रेशर्स और विदाई कार्यक्रमों के अलावा, 'अल-नदी अल-अरबी' नामक एक सक्रिय अरबी साहित्यिक समाज भी चलाता है, जो एक त्रैमासिक दीवार-पत्रिका 'अल-कलाम' प्रकाशित करता है और छात्रों के लाभ के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करता है।

संकाय सदस्य:

1. **डॉ. मो. कासिम (प्रभारी शिक्षक)**
2. डॉ. ओबैदुल्लाह म.
3. डॉ. सैयद मोहम्मद तारिक
4. डॉ. कमरूद्दीन (तदर्थ)
5. डॉ. नसीम अहमद (तदर्थ)
6. डॉ. अब्दुल मलिक (तदर्थ)

बंगाली विभाग

1961 से चल रहा है, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज का बंगाली विभाग अकादमिक और सांस्कृतिक लोकाचार दोनों के साथ एक जीवंत विभाग है। इस विभाग में पास (प्रोग्राम) और ऑनर्स कोर्स दोनों हैं। ऑनर्स कोर्स की शुरुआत साल 1963 में हुई थी। विभाग के पास बहुत उत्साही, मेहनती और प्रतिबद्ध शिक्षक हैं। बंगाली विभाग एक छोटा विभाग है और इस प्रकार, यहां के शिक्षक व्यक्तिगत रूप से अपने छात्रों की देखभाल कर सकते हैं। वे अपने छात्रों को अपनी शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। परिणाम हर साल अच्छा होता है।

डॉ. शर्मिष्ठा सेन

डॉ. गोपा डे के नाम पर एक व्याख्यान, जो विभाग में एक विद्वान और ईमानदार शिक्षक थे, शिक्षकों और छात्रों के लिए हर साल आयोजित किया जाता है। साहित्य, समाजशास्त्र, महिला अध्ययन, इतिहास, पुरातत्व, मंदिर अनुसंधान, प्रदर्शन कला आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों

के प्रख्यात वक्ता। पूरे भारत से वक्ता विभिन्न विषयों पर बोलने के लिए कॉलेज आते हैं। विभाग में बंगाली लिटरेरी सोसाइटी (आरोही) है जहां छात्रों को रवीन्द्र जयंती या अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने और आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे नियमित रूप से कॉलेज की अन्य गतिविधियों में भी भाग लेते हैं। विभाग कितना भी छोटा क्यों न हो, उत्साही छात्र अपर्याप्त नहीं हैं। विभाग की छात्रा सुश्री नैसर्गिका दास इस साहित्यिक समिति की सचिव के रूप में कार्यरत हैं जबकि डॉ. शर्मिष्ठा सेन सोसायटी की अध्यक्ष हैं।

संकाय सदस्य:

1. डॉ. शर्मिष्ठा सेन (प्रभारी शिक्षक)
2. डॉ. ऑडविटी बनर्जी
3. डॉ. हिमाद्रि शेखर हाउलदार

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग एनईपी 2020 के तहत पौधों की दुनिया का व्यापक अध्ययन प्रदान करता है। यह मेधावी छात्रों को 4 साल का यूजी कार्यक्रम प्रदान करता है, जिन्होंने विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बोर्डों से कक्षा 12 उत्तीर्ण की है। विभाग में उच्च योग्य, बहुमुखी, प्रतिबद्ध और अनुभवी शिक्षक हैं जो अपने विषयों में कुशल हैं। संकाय सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाएं लेने के लिए सभी आधुनिक और पारंपरिक शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग करता है। उनमें से कई ने विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में खुद को प्रतिष्ठित किया है। विभाग के पास आईसीटी सुविधाओं से सुसज्जित अच्छी तरह से रोशनी, हवादार और विशाल प्रयोगशालाएं हैं।विभाग में टिशू कल्चर, माइक्रोबियल कल्चर और इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला है। टिशू कल्चर प्रयोगशाला में, छात्रों को संयंत्र ऊतक संस्कृति प्रयोगों के संपर्क में हैं। विभाग में एक संग्रहालय "संपदा" है जिसमें हर्बेरियम सहित 180 परिवारों से संबंधित लगभग 5100 पौधों के नमूनों का समृद्ध संग्रह है। "जानकी अम्मल" के नाम पर एक बॉटनिकल गार्डन भी है जहां प्रत्येक सेमेस्टर में व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित करने के उद्देश्य से जलीय और वार्षिक फूल और गैर-फूल वाले पौधे उगाए जाते हैं। प्रत्येक शैक्षिक सत्र के दौरान विभाग दिल्ली के साथ-साथ बाहरी शहरों में भी शैक्षिक यात्राओं का आयोजन करता है। विभाग का अपना संदर्भ पुस्तकालय है। विभाग 'हरजिंदर ग्रोवर एंडोमेंट फंड' से B.Sc (ऑनर्स) बॉटनी II वर्ष और B.Sc लाइफ साइंस II वर्ष के टॉपर्स को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

डॉ. मोहम्मद वाहिद अंसारी

बॉटनिकल सोसाइटी "नरगिस" कई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करती है जो छात्र की रचनात्मकता को सामने लाती है, इनमें प्रतिष्ठित लोगों द्वारा वार्ता, इंटरकॉलेज गतिविधियां जैसे वाद-विवाद, पेपर प्रस्तुति, जस्ट-ए-मिनट, लीफ आर्ट, वनस्पति रंगोली और वनस्पति विज्ञान प्रश्नोत्तरी शामिल हैं। ये गतिविधियां अकादमिक उत्कृष्टता लाती हैं, नेतृत्व गुणों को विकसित करती हैं, लेखन और वक्तृत्व कौशल विकसित करने में मदद करती हैं और छात्रों के समग्र व्यक्तित्व को निखारती हैं। हर साल बॉटनिकल सोसाइटी "डॉ. वीरेंद्र कुमार रोलिंग शील्ड पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता" का आयोजन करती है। यह एक इंटरकॉलेज

कार्यक्रम है और मानवतावादी, वनस्पतिशास्त्री और विद्वान डॉ. वीरेंद्र कुमार के सम्मान में आयोजित किया जाता है!

संकाय सदस्य:

1. डॉ. मालती गुप्ता
2. डॉ. बबीता सी. कौला
3. डॉ. देवयानी मुले
4. **डॉ. मोहम्मद वाहिद अंसारी (प्रभारी शिक्षक)**
5. डॉ. तबस्सुम जहां
6. डॉ. सविंदर कुमार
7. डॉ. रुचि वीर (बॉटनिकल सोसाइटी संयोजक)
8. डॉ. दीपिका शर्मा
9. डॉ. जीशान उर रहमान
10. डॉ. कौशल भार्गव
11. डॉ. अंकुश
12. श्री अतुल आर्य

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1952 में हुई थी। अब, बोर्ड पर 23 संकाय सदस्यों और 18 प्रयोगशाला कर्मचारियों की एक टीम के साथ, विभाग दशकों से रसायन विज्ञान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार लिया है। विभाग संलग्न तैयारी सह संतुलन कमरे के साथ चार अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं का दावा करता है। इनके अलावा, पोटेंशियोमेट्री, कंडक्टोमेट्री, कलरिमेट्री, पीएच-मेट्री और स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री प्रयोगों को पूरा करने के लिए दो इंस्ट्रूमेंटेशन लैब हैं। विभाग बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान, B.Sc भौतिक विज्ञान और B.Sc जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा, अन्य विभागों के छात्रों को कौशल वृद्धि और सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं।

छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करने के लिए, व्याख्यान और कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, विभाग छात्रों को अनुसंधान के बुनियादी सिद्धांतों को उजागर करने के लिए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन करता है। इसके अलावा, छात्रों को विभिन्न उद्योगों के कामकाज और दिन-प्रतिदिन के जीवन में अपने विषय के अनुप्रयोग में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए औद्योगिक यात्राओं का आयोजन किया जाता है।

विभाग की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, एसपी सूरी मेमोरियल लेक्चर और रसायन विज्ञान विभाग पुरस्कार समारोह हर साल विभाग के टॉपर्स को पदक, प्रमाण पत्र और पुस्तकों से सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जाता है। यह प्रदर्शन करने वाले छात्रों के मनोबल को बढ़ाता है और साथ ही अन्य छात्रों को भविष्य में नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है।

शुद्ध शैक्षणिक कार्यक्रमों के अलावा, केमिस्ट्री सोसाइटी, "CHEMUNICATE" द्वारा विभिन्न पाठ्येतर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम शिक्षक दिवस समारोह के साथ शुरू होते हैं, इसके बाद एक

उद्घाटन व्याख्यान और फ्रेशर्स वेलकम होता है। वार्षिक उत्सव, "ज़ुसम्मेन" हर साल आयोजित किया जाता है जिसमें विभिन्न इंटर और इंट्रा-कॉलेज गतिविधियाँ जैसे रसायन विज्ञान प्रश्नोत्तरी, पेपर प्रस्तुति आदि आयोजित की जाती हैं। वर्ष के लिए विभागीय कार्यक्रमों का समापन निवर्तमान बैच को विदाई देने के लिए विदाई समारोह के साथ होता है। विभिन्न गतिविधियां और कार्यक्रम छात्रों को समग्र विकास प्राप्त करने में मदद करते हैं।

प्रो सरिता पासी

संकाय सदस्य:

1. प्रो नादिरा आरिफ
2. प्रो समता गोयल
3. प्रो उषा बंसल
4. **प्रो सरिता पासी (प्रभारी शिक्षक)**
5. डॉ. ज्योत्सना रतन
6. डॉ. मोहसिनीन वजीर
7. डॉ. रवि कांत (केमिस्ट्री सोसायटी के संयोजक)
8. डॉ. संजीव कुमार मिश्रा
9. डॉ. ज्योति सिंह
10. डॉ. प्रेरणा सिंह
11. सुश्री ममता बाई
12. डॉ. ज्योति त्यागी
13. सुश्री लीला गौतम
14. डॉ. रितु माथुर
15. डॉ. अरविन्द कुमार राजपूत
16. डॉ. मंजीत सिंह बरवा
17. डॉ. मुकेश कुमार
18. डॉ. मनोहर लाल
19. डॉ. प्रतीक त्यागी
20. डॉ. अनुभा सेठी
21. डॉ. रूबी बंसल
22. डॉ. अंजना यादव
23. डॉ. मनीष कुमार

वाणिज्य विभाग

डॉ. स्वाति अग्रवाल

वाणिज्य विभाग अपने सभी प्रयासों में अत्यधिक उद्यमी और ऊर्जावान है। इसने दो पाठ्यक्रमों, B.Com (ऑनर्स) और B.Com की पेशकश की, जो दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक

मांग वाले हैं। छात्रों के बीच वैचारिक समझ के एकीकरण की सुविधा के लिए, जो एनईपी के लिए एक आवश्यक है, पाठ्यक्रम टैली, एमएस ऑफिस, आईटीआर फाइलिंग और आर-प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद, छात्रों के पास सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में कैरियर की कई संभावनाएं हैं। वाणिज्य स्नातक M.Com., एमबीए, एमएचआरओडी, एमआईबी और पीजीडीएम सहित विभिन्न प्रकार के मास्टर स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए पात्र हैं, जो वाणिज्य छात्रों के लिए अधिक प्रासंगिक हैं. विभाग को प्रशिक्षकों की एक टीम द्वारा नियुक्त किया जाता है जो छात्रों को उचित निर्देश प्रदान करने के अपने प्रयासों में समर्पित और मेहनती हैं। शैक्षणिक सत्र के दौरान, विभाग का जीवंत समाज कॉमसोक (वाणिज्य समाज) विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समन्वय करता है। विभाग अपनी वार्षिक वाणिज्य पत्रिका, 'वर्ल्डकॉम' भी प्रकाशित करता है।

संकाय सदस्य:

1. श्री भारत भूषण
2. प्रोफेसर मसरूर अहमद बेग (छुट्टी पर)
3. प्रो.मुकेश कुमार जैन
4. डॉ. शिवानी अबरोल
5. डॉ. श्रुति गुप्ता
6. डॉ. मो. रिजवान अहमद
7. डॉ. महमूद आलम
8. डॉ. रीटा
9. श्री भरत भट्ट
10. डॉ. निधि धवन
11. डॉ. भूपेंद्र
12. डॉ. अब्दुल वाहिद फारूकी
13. **डॉ. स्वाति अग्रवाल (प्रभारी शिक्षक)**
14. डॉ. साइमा
15. डॉ. शोएबा (कॉमर्स सोसायटी संयोजक)
16. डॉ. सूफिया
17. श्री सुनील
18. डॉ. मनीष कुमार
19. डॉ. भूपेंद्र कुमार
20. श्री अशोक शर्मा
21. श्रीमती वाणी कनौजिया

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग ने अपने सुयोग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों के कारण वर्षों से ख्याति अर्जित की है। विभाग अर्थशास्त्र में बीए ऑनर्स और बीए कार्यक्रम प्रदान करता है और छात्रों की मात्रात्मक और विश्लेषणात्मक

क्षमताओं को बढ़ावा देने और मजबूत करने और अनुशासन की उनकी समझ को बढ़ाने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए इसके आवेदन को बढ़ाने के लिए एनईपी के अनुसार कई कागजात पेश किए जाते हैं। संकाय सदस्य अर्थमिति, पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, सार्वजनिक वित्त, गेम थ्योरी, विकास अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र, राजनीतिक अर्थव्यवस्था आदि जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट हैं, जिससे एनईपी के तहत शामिल अनुसंधान घटक के लिए छात्रों के लिए रास्ते खुलते हैं। विभाग सांख्यिकीय और अर्थमितीय सॉफ्टवेयर में प्रैक्टिकल आयोजित करने के लिए कॉलेज में कंप्यूटर प्रयोगशालाओं का उपयोग करता है। विभाग के पूर्व छात्र जेएनयू, डीएसई, आईआईटी, आईजीआईडीआर, बेंगलुरु और हैदराबाद में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों, आईआईएम, आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अर्थशास्त्र, कानून और व्यवसाय प्रशासन में परास्नातक करने के लिए चले गए हैं और वर्तमान में सरकारी और निजी क्षेत्र में अच्छी तरह से स्थापित हैं।

डॉ. अय्यर विभा

इकोनॉमिक्स सोसाइटी नियमित रूप से छात्रों के बीच चर्चा और बहस को प्रोत्साहित करने के लिए प्रासंगिकता के समकालीन विषयों पर प्रतिष्ठित विद्वानों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करती है। विभाग से एक वार्षिक पत्रिका राइज भी निकालता है जिसमें छात्रों को आर्थिक मुद्दों पर शोध लेख लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संकाय सदस्य:

1. श्री शमसुल हक
2. डॉ. अपाला पांडा
3. सुश्री शैलजा गुप्ता
4. डॉ. शिरीन अख्तर
5. डॉ. सुजीत बसु
6. सुश्री सिमिन अख्तर नकवी
7. **डॉ. अय्यर विभा (प्रभारी शिक्षक)**
8. डॉ. गतिकृष्ण महंत
9. सुश्री के. उमा
10. सुश्री श्रुति गोयल

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

डॉ. नीलम पाहवा

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स में B.Sc (ऑनर्स) प्रदान करता है, जिसे छात्र के विश्लेषणात्मक कौशल, तार्किक तर्क और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह व्यापक कार्यक्रम एप्लाइड भौतिकी, इंजीनियरिंग गणित, सिग्नल और सिस्टम, सेमीकंडक्टर डिवाइस, इंस्ट्रूमेंटेशन, माइक्रोप्रोसेसर, संचार, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, वीएचडीएल, पायथन, फोटोनिक्स, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी और वीएलएसआई टेक्नोलॉजी का उपयोग करके डिजिटल सिस्टम डिजाइन सहित कई

विषयों में एक मजबूत आधार प्रदान करता है। विभाग में शिक्षकों की एक जीवंत टीम है, जो अनुभवी विशेषज्ञों के ज्ञान के साथ युवा पेशेवरों के उत्साह को जोड़ती है। उनकी विशेषज्ञताओं में नैनो टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, माइक्रोप्रोसेसर, माइक्रो-कंट्रोलर, एंबेडेड सिस्टम, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और सेमीकंडक्टर डिवाइस जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी पूरे वर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स में नवीनतम तकनीकी प्रगति पर कार्यशालाओं और व्याख्यान आयोजित करके अकादमिक वातावरण में सक्रिय रूप से योगदान देती है। ये कार्यक्रम छात्रों को उद्योग के रुझानों के बराबर रहने, नई तकनीकों के साथ जुड़ने और कक्षा से परे अपने ज्ञान का विस्तार करने के अवसर प्रदान करते हैं।

संकाय सदस्य:

1. डॉ. नवीन कुमार जैन
2. डॉ. पीके सिसोदिया
3. श्री अंशु रस्तोगी
4. **डॉ. नीलम पाहवा (प्रभारी शिक्षक)**
5. डॉ प्रवेश (इलेक्ट्रॉनिक्स सोसायटी संयोजक)
6. डॉ मनीष कुमार
7. डॉ रितु बंसल

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग साहित्य और भाषा के शिक्षण और सीखने के लिए एक समावेशी, सर्वांगीण दृष्टिकोण पर गर्व करता है। वर्षों से, यह विभाग अंग्रेजी साहित्यिक अध्ययन, भारतीय और अन्य उत्तर औपनिवेशिक, लोकप्रिय और शास्त्रीय साहित्य के साथ-साथ भाषा शिक्षण और अनुवाद में भी अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ शिक्षकों के एक जीवंत समूह का एक सभा बिंदु रहा है। विभाग अपने छात्रों को उनके महत्वपूर्ण सोच कौशल को विकसित करने में मदद करके, सहभागी शिक्षण, सेमिनार और विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों और लेखकों द्वारा व्याख्यान और रीडिंग के संगठन के माध्यम से व्यक्तिगत और सामूहिक अभिव्यक्ति के लिए रचनात्मक चैनल खोजने में मदद करके अपने छात्रों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करता है। इस आशय के लिए विभाग एक सक्रिय अंग्रेजी साहित्यिक सोसायटी चलाता है। रामबलर, कॉलेज की साहित्यिक पत्रिका हमारे छात्रों के लेखन कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। बीए (ऑनर्स) के प्रथम वर्ष के छात्रों के प्रत्येक बैच को बी.ए. अंग्रेजी पाठ्यक्रम को अभिविन्यास व्याख्यान की एक श्रृंखला दी जाती है ताकि उन्हें अगले वर्षों में कई विषयों के पढ़ने और लिखने के आकस्मिक प्रश्नों से परिचित कराया जा सके। हमारे संकाय सदस्य साहित्यिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी के माध्यम से हमारे अनुशासन की चल रही बहस में योगदान देना जारी रखते हैं। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है और उनकी रुचि के क्षेत्र में आगे अध्ययन करने के लिए फैलोशिप प्राप्त हुई है। वे अनुभव के इस धन को जीवंत शिक्षण-अधिगम वातावरण के लिए कक्षा में लाते हैं।

प्रो किशोर कुमार दास

संकाय सदस्य:

1. प्रो अनुराधा मारवाह
2. डॉ. मुकुल चतुर्वेदी
3. **प्रो किशोर कुमार दास (प्रभारी शिक्षक)**
4. सुश्री श्रद्धा आदित्यवीर सिंह
5. डॉ. नम्रता चतुर्वेदी
6. श्री अब्दुल हमीद पी.ए.
7. सुश्री तान्या लाहोन वारजरी
8. सुश्री सविता किरण
9. सुश्री बनानी चौधरी
10. डॉ. साक्षी वासन
11. सुश्री अदिति शर्मा
12. डॉ. कोमल यादव
13. सुश्री दीक्षा यादव
14. सुश्री अपर्णा चौहान
15. सुश्री स्वर्णिका

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के पठन-पाठन के प्रति समर्पित है। यह विभाग एक समृद्ध पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसमें शास्त्रीय और समकालीन साहित्य, भाषा विज्ञान तथा उन्नत भाषा कौशल के पाठ्यक्रम शामिल हैं। विभाग द्वारा संचालित 'हिंदी साहित्य सभा' समय-समय पर साहित्यिक कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला और साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करती रहती है। इन शैक्षणिक और साहित्यिक गतिविधियों द्वारा छात्र हिंदी के साथ ही दूसरी भारतीय और विदेशी भाषाओं के साहित्य-संस्कृति से सहज ही परिचित होते हैं। हिंदी विभाग 'रश्मि' नामक एक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है जिसमें हिंदी विभाग के साथ ही कॉलेज के विविध अनुशासनों के छात्रों की रचनाएं भी प्रकाशित की जाती हैं। यह विभाग स्नातक शिक्षा, अनुवाद, मीडिया, रचनात्मक लेखन आदि में करियर के लिए विद्यार्थियों को सुसज्जित करता है।

डॉ. सुरैया खान

संकाय सदस्य:

1. डॉ. पवन कुमार
2. प्रो हरेंद्र सिंह
3. डॉ. नीलम कुमारी
4. डॉ. अंजन कुमार
5. डॉ. विजेंद्र सिंह चौहान
6. **डॉ. सुरैया खान (प्रभारी शिक्षक)**
7. डॉ. मो. साबिर
8. डॉ. योगेश्वर तिवारी

9. डॉ. सुनैना सैनी
10. डॉ. सज्जन कुमार
11. डॉ. चंद्र कला
12. डॉ. ललिता बघेल

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग वर्तमान को रोशन करने और भविष्य को आकार देने के लिए अतीत के ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कठोर विद्वता के माध्यम से, अभिनव शिक्षण, और विविधता के प्रति समर्पण, विभाग का उद्देश्य छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच, सहानुभूति और वैश्विक परिप्रेक्ष्य विकसित करना है। हमारे सम्मानित संकाय सदस्य अपने क्षेत्रों में सबसे आगे विद्वान और शोधकर्ता हैं, जो प्राचीन सभ्यताओं, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। अकादमिक पत्रिकाओं में उनके प्रकाशन और योगदान अकादमिक प्रवचन और कक्षा निर्देश दोनों को समृद्ध करते हैं। विभाग इतिहास में बीए ऑनर्स और प्रोग,पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को ऐतिहासिक तरीकों, अनुसंधान कौशल और विषयगत चौड़ाई में एक ठोस आधार प्रदान करता है। विभाग अत्याधुनिक अनुसंधान का उत्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो ऐतिहासिक घटनाओं, संस्कृतियों और समाजों की हमारी समझ का विस्तार करता है। संकाय सदस्य सहयोगी परियोजनाओं में संलग्न होते हैं, प्रमुख शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योगदान करते हैं।

प्रो कैप्टन एम.एम. रहमान

विभाग इंटरैक्टिव कक्षा के अनुभवों, अनुसंधान के अवसरों और परामर्श के माध्यम से छात्र जुड़ाव को प्राथमिकता देता है। छात्रों के पास पुस्तक बैंक और पुस्तकालय जैसे संसाधन है। यह उनके सीखने को बढ़ाने और उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए नियमित विशेषज्ञ व्याख्यान, सेमिनार, सम्मेलन, संग्रहालय, विरासत की सैर आयोजित करता है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, इतिहास विभाग नई पद्धतियों, प्रौद्योगिकियों और वैश्विक चुनौतियों के अनुकूल होने के लिए समर्पित है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को सूचित नागरिकों और नेताओं के रूप में तैयार करना है जो अतीत का गंभीर विश्लेषण कर सकते हैं और एक परस्पर दुनिया में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

संकाय सदस्य:

1. **प्रो कैप्टन एम.एम. रहमान (प्रभारी शिक्षक)**
2. प्रो प्रदीप कुमार
3. डॉ. एम. तारिक अनवर
4. डॉ. अताउल्लाह
5. डॉ. अश्विन पारिजात अंशु
6. श्री मोहम्मद हामिद हुसैन
7. सुश्री सरिता सरसर
8. सुश्री श्वेता साहू

9. डॉ. रामविलास मौर्य
10. डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी

गणित विभाग

गणित विभाग गणित में बी.एससी. (ऑनर्स) और बी.ए. (प्रोग्राम) की डिग्री प्रदान करता है, जो सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की एक मजबूत नींव देता है। विभाग में गणित के विभिन्न क्षेत्र खासकर फिक्स्ड-पॉइंट थ्योरी (फंक्शनल एनालिसिस), नॉन-लीनियर डायनेमिकल सिस्टम कंट्रोल, सेलेस्टियल मैकेनिक्स, स्पेशल फंक्शंस, नैनो मैथ्स, फजी लॉजिक, फ्लुइड डायनामिक्स, न्यूमेरिकल एनालिसिस, मैथमैटिकल प्रोग्रामिंग वगैरह में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रसिद्ध गणितज्ञ हैं। वैश्विक शिक्षण मानकों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत, विभाग मैथमैटिका, मैटलैब, पायथन और आर जैसे उन्नत गणितीय सॉफ्टवेयर को शामिल करता है, और एसईसी और वीएसी कार्यक्रमों के तहत संबंधित पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग की "गणितीय सोसाइटी" व्याख्यान, सम्मेलन और वार्षिक समारोह आयोजित करके शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध करती है, जो गणितीय खोज और सहयोग के एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देती है।

डॉ. विनय कुमार

संकाय सदस्य:

1. श्री संजय मेहरा
2. प्रो गुरप्रीत सिंह टुटेजा
3. प्रो. आरिफ (गणित सोसायटी संयोजक)
4. डॉ. अब्दुल्ला
5. **डॉ. विनय कुमार (प्रभारी शिक्षक)**
6. डॉ. प्रदीप कुमार सिंह
7. डॉ. धीरज कुमार सिंह
8. डॉ. वेणु गोपाल
9. सुश्री चीनू मदान
10. श्री योगराज सिंह
11. श्री जितेंद्र कुमार
12. डॉ. लक्ष्मी रानी बसुमतारी
13. डॉ. संचिता शर्मा
14. डॉ. विपिन कुमार
15. डॉ. स्वाति
16. डॉ. नितेश धीमान
17. श्री हितेश कुमार
18. श्री दशरथ मीणा
19. श्री राज कुमार

फारसी विभाग

. डॉ. जमशेद खान

फारसी विभाग कॉलेज के सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग फारसी भाषा और साहित्य के प्रचार की दिशा में योगदान करने का प्रयास करता है। फारसी अध्ययन में विशेषज्ञता प्राप्त समर्पित और मेहनती संकाय अपने छात्रों को फारसी अनुशासन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। सादी, रूमी, अमीर खुसरो, गालिब, बहार, इराज मिर्ज़ा , परवीन एहतेसामी और अन्य जैसे प्रमुख शास्त्रीय और आधुनिक फ़ारसी कवियों की कविता विद्वान संकाय द्वारा सिखाई गई कक्षाओं में गूंजती है। विभाग सूफ़ीवादी और नैतिक फ़ारसी साहित्य सहित आधुनिक और शास्त्रीय फ़ारसी कविता और गद्य लेखकों के कुछ चुनिंदा पाठ पढ़ाता है। अंजुमन-ए-फ़ारसी, फ़ारसी समाज फ़ारसी भाषा और साहित्य से संबंधित अकादमिक व्याख्यान और सेमिनार आयोजित करता है है, इंडो-फारसी साहित्य और छात्रों के लिए सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी। विभाग बीए (एच) फारसी, बीए (पी) फारसी और आधुनिक फारसी में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करता है।

संकाय सदस्य:

1. प्रोफेसर जमीलुर्रहमान खान
2. डॉ. मलिक सलीम जावेद
3. डॉ. जमशेद खान (प्रभारी शिक्षक)
4. डॉ. इमरान चौधरी
5. डॉ. इबरार अली शाह
6. डॉ. मोहम्मद आमिर

दर्शनशास्त्र विभाग

प्रो दिव्या तिवारी

दर्शनशास्त्र विभाग बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने, महत्वपूर्ण सोच क्षमताओं को बढ़ावा देने और दार्शनिक अवधारणाओं के छात्रों की समझ को समृद्ध करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रेणी प्रदान करता है, जिससे छात्रों को सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के बिना अपने अद्वितीय विश्वदृष्टि विकसित करने की अनुमति मिलती है। विभाग शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों दोनों का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो बौद्धिक विकास और अन्वेषण के लिए अनुकूल वातावरण की सुविधा प्रदान करता है। सुविधाओं में दार्शनिक ग्रंथों और पत्रिकाओं का एक विशाल संग्रह युक्त अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, समूह चर्चा, बहस और कार्यशालाओं के संचालन के लिए संगोष्ठी कक्ष, और दार्शनिक विश्लेषण के लिए ऑनलाइन डेटाबेस और अकादमिक पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ कंप्यूटर प्रयोगशालाएं शामिल हैं ।

विभाग के अनुसंधान क्षेत्र एक व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करते हैं, जो दर्शन की समग्र समझ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमारे सम्मानित संकाय भारतीय, महाद्वीपीय, तर्क, नैतिकता, मन के दर्शन और विज्ञान के दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में माहिर हैं। छात्रों को संकाय आकाओं के मार्गदर्शन में स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाओं में संलग्न होने का अवसर मिलता है, जो दार्शनिक ज्ञान की उन्नति में योगदान देता है। संकाय प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को नियोजित करने के लिए भी समर्पित है जो सक्रिय शिक्षण, इंटरैक्टिव संवाद और कठोर आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। इन विधियों को हमारे छात्रों की विविध हितों, सीखने की शैली, पेस और क्षमता को समायोजित करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी गति से प्रगति कर सकता है, उनकी आकांक्षाओं और जरूरतों के साथ गठबंधन कर सकता है।

शैक्षणिक यात्रा को बढ़ाने और एक जीवंत बौद्धिक समुदाय की खेती करने के लिए, विभाग अपने समाज, द मोनिस्ट के माध्यम से घटनाओं और गतिविधियों की अधिकता भी आयोजित करता है। इनमें एक वार्षिक उत्सव, उत्साही बहस, विद्वानों के पेपर प्रस्तुतिकरण, व्यावहारिक व्याख्यान, विचारोत्तेजक फिल्म स्क्रीनिंग, आकर्षक निबंध और कला प्रतियोगिताएं, उत्तेजक क्विज़, कार्यशालाएं और एक समावेशी पुस्तक क्लब शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग एक वार्षिक छात्र-संचालित पत्रिका "नाज़रिया" प्रकाशित करता है, जो छात्रों के लिए लेखों, कलाकृति, कविताओं और समीक्षाओं के माध्यम से अपने दार्शनिक दृष्टिकोण साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

संकाय सदस्य:

1. **प्रो दिव्या तिवारी (प्रभारी शिक्षक)**
2. प्रो सी वी बाबू
3. डॉ. एहसान म. शाह
4. डॉ. रेणु
5. सुश्री शेफाली यादव
6. डॉ. वंदना शर्मा

भौतिकी विभाग

विभाग अत्यधिक निपुण और समर्पित शिक्षकों की एक असाधारण टीम के आवास पर गर्व करता है जो हमारे छात्रों को ब्रह्मांड की गहरी समझ की दिशा में मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारी शैक्षणिक पेशकश में रसायन विज्ञान, गणित और इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर ऑफ साइंस डिग्री (ऑनर्स और प्रो.) प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए भौतिकी पाठ्यक्रम शामिल हैं। चार अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं द्वारा कार्यान्वित, विभाग यह सुनिश्चित करता है कि हमारे छात्रों को उनके व्यावहारिक सीखने के अनुभवों के लिए शीर्ष स्तर की सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त हो। इसके अलावा, विभाग नियमित रूप से विभिन्न प्रयोगशालाओं और प्रतिष्ठित संस्थानों का दौरा आयोजित करके हमारे छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने पर बहुत जोर देता है। ये भ्रमण

डॉ. गायत्री सिसोदिया

उनके क्षितिज को व्यापक बनाने और विषय वस्तु की अधिक व्यापक समझ को बढ़ावा देने का काम करते हैं। विभाग के पास सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं।

संकाय सदस्य:

1. **डॉ. गायत्री सिसोदिया (प्रभारी शिक्षक)**
2. डॉ. अनीता कटना
3. डॉ. सतीश कुमार राजौरिया
4. डॉ. मोहम्मद फहीम अंसारी
5. डॉ. (सुश्री) सीमा रावत
6. डॉ. लोकेश राणा
7. डॉ. अरुण गोयल
8. 8.डॉ. अंजू

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान में बीए (ऑनर्स) विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है। इसके अलावा, छात्र राजनीति विज्ञान में बीए (प्रोग्राम) मेजर और माइनर पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। इस पाठ्यक्रम में राजनीतिक सिद्धांत और दर्शन, नारीवादी सिद्धांत, भारतीय संविधान, भारत सरकार और राजनीति, भारतीय और पश्चिमी राजनीतिक विचार, तुलनात्मक राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और विदेश नीति, लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति पर कागजात की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश की जाती है। विभाग द्वारा पेश किए गए जेनेरिक इलेक्टिव पेपर छात्रों के लिए सबसे लोकप्रिय अंतर-अनुशासनात्मक विकल्पों में से हैं। विभाग में एक गतिशील संकाय है जिसमें समर्पित शिक्षक और शोधकर्ता शामिल हैं। विभाग सोसायटी, अवाम, नियमित रूप से सेमिनार, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। यह युवा छात्रों को अपनी आवाज व्यक्त करने के लिए एक मंच देने के लिए वार्षिक पत्रिका आवाज भी प्रकाशित करता है। इस विभाग ने अगस्त, 2023 में बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, कोरिया गणराज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय है जिसमें इस विषय पर पुस्तकों का अच्छा संग्रह है।

डॉ. मानशी मिश्रा

संकाय सदस्य:

1. प्रो उमा शंकर
2. प्रो.रवि रंजन
3. डॉ. सोनू त्रिवेदी
4. सुश्री सविता सिंह

5. प्रो संजीव कुमार
6. डॉ. एल. बिधानचंद्र सिंह
7. डॉ. आफताब आलम
8. डॉ. **मानशी मिश्रा (प्रभारी शिक्षक)**
9. डॉ. वसुधा ढींगरा (छुट्टी पर)
10. डॉ. प्रिया मिर्ज़ा
11. सुश्री बॉबी सोरोखैबम
12. डॉ. शबाना आज़मी
13. डॉ. तृप्ता शर्मा
14. श्री जय कुमार
15. 15.श्री बिजय शंकर झा
16. 16.श्री जगदीश

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में हुई थी। वर्तमान में यह कई पाठ्यक्रम प्रदान करता है, अर्थात्, बीए (ऑनर्स), बीए (कार्यक्रम) मनोविज्ञान, और एमए (मनोविज्ञान)। इसमें मनोवैज्ञानिक परीक्षण, उपकरण के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक परीक्षण और प्रयोगों का संचालन करने के लिए लैपटॉप के साथ पूरी तरह कार्यात्मक प्रयोगशालाएं हैं। विभाग के पास एक अकादमिक पत्रिका है, जिसका शीर्षक है, 'जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी एंड क्लिनिकल स्टडीज' जो यूजीसी-केयर जर्नल्स 2018 की सूची में सूचीबद्ध है। इसकी एक पत्रिका भी है, जिसका शीर्षक है, 'साइनैप्स'। संकाय सदस्यों के लिए विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्र नैदानिक और परामर्श मनोविज्ञान, सामाजिक मनोविज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार और विकासात्मक मनोविज्ञान हैं। कई संकाय सदस्यों के देखरेख में पीएचडी छात्र भी हैं। विभाग के पास आईसीएसएसआर और यूजीसी वित्त पोषित परियोजनाओं और संकाय सदस्यों के श्रेय के लिए पुस्तकों, अध्यायों और शोध लेखों जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों के साथ अनुसंधान कार्य का एक प्रभावशाली निकाय है। हर साल संकाय सदस्य अपनी स्नातक डिग्री के लिए आंशिक पूर्ति के रूप में छात्रों द्वारा किए गए कई बीए (ऑनर्स) और बीए (प्रोग्राम) शोध प्रबंधों की निगरानी करते हैं। विभाग ने मनोवैज्ञानिक विकारों, चिकित्सा, परामर्श जैसे विषयों पर वार्ता और व्याख्यान आयोजित करके और स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करके मानसिक स्वास्थ्य के बारे में छात्रों और कॉलेज कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए "मानस्थल: मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता केंद्र" की स्थापना करके एक विशेष पहल की है।

डॉ. गुलगूना जमाल

संकाय सदस्य:

1. प्रो खुर्शीद आलम

2. डॉ. निशा जायसवाल
3. डॉ. डी. चाओ
4. डॉ. गुलगूना जमाल (प्रभारी शिक्षक)
5. डॉ. श्योदान सिंह (मनोविज्ञान सोसायटी संयोजक)
6. डॉ. सत्येंद्र कुमार ठाकुर
7. डॉ. वी. के. पुंज
8. डॉ. रितु अग्रवाल
9. सुश्री तान्या जौहरी
10. श्री अभिनव सिंह कटियार
11. डॉ. ग्रेस लालखवंगई
12. सुश्री कनिका दुआ

संस्कृत विभाग

डॉ. रामकिशोर महोलिया

विभाग में शिक्षकों की एक समर्पित टीम शामिल है जो विशेषज्ञता के क्षेत्र में उल्लेखनीय विद्वान भी हैं। संस्कृत विभाग साहित्यिक समिति 'श्लोक' पाठ प्रतियोगिता जैसे कई साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करती है।

संकाय सदस्य:

1. डॉ. शारदा वर्मा
2. डॉ. सरस्वती (प्रभारी शिक्षक)
3. डॉ. दीपक कालिया
4. डॉ. रामकिशोर महोलिया
5. डॉ. टी. एल. मीणा
6. डॉ. सचिन कुमार
7. डॉ. मनोरमा

उर्दू विभाग

उर्दू विभाग एक ऐतिहासिक कॉलेज में एक ऐतिहासिक विभाग है क्योंकि यह न केवल कॉलेज में बल्कि भारत में भी सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग कॉलेज के सबसे स्थापित विभागों में से एक के रूप में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अपने विशिष्ट विद्वानों और उर्दू साहित्य के क्षेत्र में निपुण कवियों और विद्वानों की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध, विभाग संस्थान के लिए गर्व का स्रोत बना हुआ है। विभाग के प्रमुख पूर्व छात्रों में उप नजीर अहमद (उर्दू में प्रथम उपन्यासकार), अली सरदार जाफरी (कवि और आलोचक), मौलवी जकाहुल्लाह (इतिहासकार और जीवनी लेखक), ख्वाजा अल्ताफ हुसैन हाली (कवि, आलोचक और जीवनी लेखक), मोहम्मद हुसैन आजाद (प्रथम साहित्यिक इतिहासकार), अख्तर-उल-ईमान (कवि, संवाद और पटकथा लेखक), प्रो असलम परवेज, गोपी चंद नारंग और वशिष्ठ जावेद आदि

शामिल हैं। वर्तमान में विभाग में एक साहित्यिक समाज है जिसे "बज़्म-ए-अदब" के नाम से जाना जाता है। सोसायटी सक्रिय रूप से साहित्यिक गतिविधियों जैसे निबंध लेखन, गजल पाठ, बैत-बाजी प्रतियोगिताओं, आमंत्रित व्याख्यानों, कार्यशालाओं, सेमिनारों का आयोजन करती है। विभागीय पत्रिका "फिक्र-ए-नौ" अपने साहित्यिक लेखन द्वारा छात्रों के कौशल को निखारने का मौका देती है। वर्तमान संकाय नए भारत के निर्माण के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से अपना शोध कर रहे हैं।विभाग बीए (ऑनर्स) उर्दू, बीए (प्रोग्राम) उर्दू और एमए उर्दू पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

डॉ. हृदय भानु प्रताप

संकाय सदस्य:

1. प्रो एम जाफर अहरारी
2. डॉ. मोहम्मद आलम
3. **डॉ. हृदय भानु प्रताप (प्रभारी शिक्षक)**
4. डॉ. सफीना बेगम (तदर्थ)
5. डॉ. मोइनुद्दीन (तदर्थ)
6. डॉ. शाहाना बेगम (तदर्थ)
7. डॉ. मो. मुस्तमीर (तदर्थ)

प्राणिविज्ञान विभाग

जूलॉजी विभाग जूलॉजी की विभिन्न शाखाओं में विशिष्ट 14 संकाय सदस्यों का एक जीवंत विभाग है। विभाग B.Sc (ऑनर्स) प्रदान करता है। प्राणि विज्ञान और B.Sc (कार्यक्रम) जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम और छात्रों को उनकी पढ़ाई के लिए एक बहुत ही अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। समग्र सीखने के लिए, विभाग छात्रों को फील्ड ट्रिप और भ्रमण के लिए जाने के अवसर प्रदान करता है। छात्रों और शिक्षकों के लिए पूरे शैक्षणिक सत्र में कई इन-हाउस व्याख्यान, कार्यशालाएं और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाते हैं। विभाग अच्छी तरह से बनाए रखा पशु संग्रहालय और टिशू कल्चर सुविधा सहित जूलॉजी शिक्षण के लिए प्रयोगशालाओं सुसज्जित है।

डॉ. सतीश गंटा

संकाय सदस्य:

1. डॉ. इल्मास नकवी
2. डॉ. अनुभा दास
3. डॉ. रागेश प.र.
4. डॉ. हरेरामदास बी.
5. **डॉ. सतीश गंटा (प्रभारी शिक्षक)**
6. डॉ. सुनील कुमार
7. डॉ. अमिताभ माथुर
8. डॉ. ज्योत्सना कुमारी
9. डॉ. अंकुर माहेश्वरी

10. डॉ. उषा सिंह गहरवार (जूलॉजी सोसायटी के संयोजक)
11. डॉ. गीतांजलि यादव
12. डॉ. परवीन गिल
13. डॉ. वेलेंटिना ब्रह्मा
14. डॉ. रंजीत कुमार निराला

पुस्तकालय और पुस्तक बैंक

मिर्ज़ा महमूद बेग लाइब्रेरी लगभग 1,15,000 पुस्तकों के कुल संग्रह के साथ एक पूरी तरह से वातानुकूलित सुविधा है। यह ओपन एक्सेस सिस्टम पर चलता है। इसमें दो रीडिंग हॉल हैं जिनमें प्रत्येक में 100 लोगों के बैठने की क्षमता है। पुस्तकालय में शिक्षकों के दो रीडिंग कमरे भी हैं, जिनकी सामूहिक बैठने की क्षमता 20 है, जिनमें से एक खंड का उपयोग दृष्टिहीन और प्रिंट विकलांग व्यक्तियों के लिए सक्षम इकाई के रूप में भी किया जा रहा है। इसमें दिल्ली कॉलेज अभिलेखागार को समर्पित एक कमरा भी है, जहां कॉलेज के इतिहास से संबंधित बहुत पुराने, दुर्लभ और ऐतिहासिक दस्तावेज रखे गए हैं। पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का भी अच्छा संग्रह है। पाठ्यपुस्तकों और शैक्षणिक आवश्यकताओं से संबंधित पुस्तकों के अलावा, पुस्तकालय प्रमुख पत्रिकाओं, अवकाश पुस्तकों, प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य जागरूकता पुस्तकों की सदस्यता भी लेता है। पुस्तकालय में लगभग 12,500 पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ एक बुक बैंक भी है। यह छात्रों को पूरे शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्यपुस्तकें प्रदान करके सेवाएं प्रदान करता है, जिसके लिए उन्हें अधिसूचित होने पर आवेदन करने की आवश्यकता होती है, ताकि व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले सोशल मीडिया टूल्स के अनुप्रयोग द्वारा सभी छात्रों और कर्मचारियों को उनकी सुविधानुसार और आसानी से सेवा प्रदान की जा सके।

मिर्ज़ा महमूद बेग लाइब्रेरी

कंप्यूटर लैब्स/मल्टीमीडिया लैब

कॉलेज में तीन अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं जो सभी धाराओं के छात्रों की पाठ्यक्रम आवश्यकताओं और पाठ्यक्रम की जरूरतों को पूरा करती हैं। कॉलेज डब्लूएएन के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़ा हुआ है।

ऑडियो विजुअल रूम

साइंस ब्लॉक में ऑडियो-विजुअल रूम पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ओवरहेड प्रोजेक्टर और एलसीडी प्रोजेक्टर जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है। शैक्षिक फिल्म शो, व्याख्यान और इसी तरह के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे छात्रों को सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं।

ऑडियो विजुअल रूम

संगोष्ठी कक्ष

संगोष्ठी कक्ष एक ऑडियो सिस्टम और प्रक्षेपण सुविधाओं से सुसज्जित है। प्रमुख लोगों के व्याख्यान, सेमिनार और चर्चाएं यहां आयोजित की जाती हैं।

संगोष्ठी कक्ष

कॉलेज ऑडिटोरियम

कॉलेज में 417 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ एक पूरी तरह कार्यात्मक, केंद्रीय वातानुकूलित सभागार है। सभागार में एक अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल सिस्टम और एक बहु-कार्यात्मक प्रकाश व्यवस्थाहै।इस सभागार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्याख्यान और वार्षिक कॉलेज समारोह आयोजित किए जाते हैं।

वाई-फाई

कॉलेज पूरी तरह से वाई-फाई सुविधा से लैस है। छात्र एक अद्वितीय लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

फैकल्टी मेंटर स्कीम

कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2007-08 में संकाय संरक्षक योजना शुरू की। इस योजना के तहत, कॉलेज में दाखिल किए गए प्रत्येक छात्र को एक संकाय सदस्य से जोड़ा जाता है जो कॉलेज में रहने की पूरी अवधि के लिए उनका मार्गदर्शक और परामर्शदाता होगा। छात्रों को अपने संबंधित संकाय सलाहकारों के साथ किसी भी मुद्दे या समस्याओं - अकादमिक या व्यक्तिगत पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। "गुरुकुल" के पुराने दिनों की तरह, इस योजना का उद्देश्य एक अच्छा छात्र-शिक्षक संबंध बनाना और छात्रों को कॉलेज या उनके निजी जीवन में दिन-प्रतिदिन या किसी भी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

जलपान गृह

कॉलेज में पूरी तरह कार्यात्मक जलपान गृह है जो हरे-भरे हरियाली से घिरी हुई है जो पर्यावरण को और अधिक सौंदर्यपूर्ण बनाती है। यह उचित मूल्य पर एक विशाल विविधता मेनू के साथ स्वस्थ, पौष्टिक और शुद्ध शाकाहारी स्वादिष्ट व्यंजनों को पूरा करता है। यह छात्रों और कर्मचारियों दोनों की दैनिक पोषण संबंधी आवश्यकताओं को सुनिश्चित करता है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और यहां तक कि उपयोग की जाने वाली सामग्री की भी नियमित रूप से जांच और निगरानी की जाती है।

कॉमन रूम

कॉलेज में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग दो कॉमन रूम हैं। कॉमन रूम भव्य हैं और इसमें 50 लड़कियों और 25 लड़कों के बैठने की क्षमता है। कमरों में आरामदायक फर्नीचर, एक संलग्न वॉशरूम, एक शुद्ध पेयजल सुविधा और एक इंटरकॉम सुविधा है। कॉमन रूम विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच मेलजोल, गुणवत्ता चर्चा, सह-पाठयक्रम गतिविधियों, खाली समय के दौरान बात करने और आराम करने के लिए एक मनोरंजक स्थान प्रदान करता है।

मेडिको-परामर्श कक्ष

कॉलेज लाइब्रेरी से सटा हुआ एक मेडिको-काउंसलिंग रूम है। यह प्राथमिक चिकित्सा सुविधा से सुसज्जित है। आवश्यकता पड़ने पर छात्र इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

बैंक

कॉलेज परिसर में संस्थागत वित्तीय लेनदेन के लिए केनरा बैंक विस्तार शाखा है। बैंक सुविधा न्यूनतम शेष राशि के साथ बचत खाते को बनाए रखने के लिए छात्रों और स्टाफ सदस्यों की जरूरतों को पूरा करती है। छात्र छात्रवृत्ति और अन्य वित्तीय सहायता के आसान प्रसंस्करण के लिए बैंक में व्यक्तिगत खाते खोल सकते हैं। यह पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत बैंक सुविधा विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करती है और छात्रों और कर्मचारियों को अपने पैसे को संभालने में आसानी प्रदान करती है।

फोटोकॉपी-सह-स्टेशनरी की दुकान

परिसर में विज्ञान ब्लॉक में एक स्टेशनरी स्टोर है जो उचित मूल्य पर बुनियादी आपूर्ति, स्टेशनरी और फोटोकॉपी सुविधाएं प्रदान करता है।

खेल का मैदान

कॉलेज में क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, और बैडमिंटन जैसे आउटडोर खेलों के लिए एक सुव्यवस्थित खेल मैदान है। छात्र विभिन्न खेल गतिविधियों, प्रशिक्षण सत्रों और टूर्नामेंटों में दाखिला लेने से लाभ उठा सकते हैं। टेबल टेनिस और आउटडोर खेल की तरह विभिन्न इनडोर की सुविधाएं एक समय सारिणी के आधार पर हर छात्र के लिए उपलब्ध हैं। खेल सुविधा का लाभ उठाने के लिए उचित ड्रेस कोड, सहायक उपकरण और अनुशासन अनिवार्य है।

पावर बैंक चार्जिंग स्टेशन

कॉलेज के पास एक रेवलूशनेरी और अभिनव ए3चार्ज है - इनबिल्ट केबल के साथ 5000 एमएएच क्षमता वाले मोबाइल उपकरणों को चार्ज करने के लिए एक रेंटल पावर बैंक स्टेशन, जो माइक्रो, टाइप सी, एंड्रॉइड और आईओएस उपकरणों को चार्ज कर सकता है। इसमें फास्ट चार्जिंग की अनूठी सुविधा है जो आधे घंटे के भीतर 50-80% बैटरी चार्ज कर सकती है। एक पावर बैंक किराए पर लें, चलते-फिरते चार्ज करें और फिर इसे दिल्ली-एनसीआर में 24/7 संचालित किसी भी निकटतम ए3 चार्जर स्टेशन पर लौटा दें, यहां तक कि मॉल में भी।

कॉलेज सोसाइटीज

अरण्य-प्रकृति और पर्यावरण सोसायटी

संयोजक: डॉ. रागेश पी. आर.

नेचर एंड एनवायरनमेंटल सोसाइटी "अरण्य" ने गोल्डन हाइव फाउंडेशन के सहयोग से 2 नवंबर, 2023 को सुंदर नर्सरी में हनीबी वर्कशॉप का आयोजन किया है। यह सोसाइटी 4 नवंबर, 2023 को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा आयोजित गंगा उत्सव के 7वें संस्करण का हिस्सा थी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की सचिव सुश्री देबाश्री मुखर्जी ने किया। अशोक कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक, एनएमसीजी। सोसाइटी ने 20 दिसंबर, 2023 को वसंत कुंज के पास विशाल वन क्षेत्र संजय वन के लिए नेचर वॉक का आयोजन किया। इस गतिविधि ने प्रतिभागियों को पार्क के 443 एकड़ के समृद्ध जीवों और वनस्पतियों के बारे में जानने की अनुमति दी। आईक्यूएसी और विकसित भारत अभियान के तहत, सोसाइटी ने हमारे कॉलेज में उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और कागज कचरे को इकट्ठा करने और अलग करने के लिए फरवरी 2024 में अपशिष्ट संग्रह अभियान, 3 मार्च को वेलकम झील में सक्षम भूमि फाउंडेशन और नीम टीम द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान जैसी गतिविधियों का आयोजन किया। सोसाइटी ने 24 फरवरी 2024 को सुल्तानपुर नेशनल पार्क, गुरुग्राम का दौरा निर्धारित किया।

एलुमिनी समिति

संयोजक: प्रो संजीव कुमार

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की पूर्व छात्र समिति ने शनिवार, 16 दिसंबर, 2023 को एक पूर्व छात्र बैठक समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों के लिए इस बात पर विचार-मंथन करने का एक अवसर था कि हम कैसे अधिक बार मिल सकते हैं और वार्षिक पूर्व छात्र बैठक को संस्थागत बना सकते हैं। चर्चा के बाद सांस्कृतिक प्रदर्शनों का भव्य प्रदर्शन किया गया और सभी अतिथियों व पूर्व छात्रों का स्वागत कते हुए रात्रिभोज किया गया।

कला एवं संस्कृति सोसायटी

संयोजक: डॉ निधि धवन

थिएटर सोसायटी, अमन

उनके कौशल मे, इस साल सोसायटी में तीन प्रस्तुतियां हुईं, अर्थात् महुआ, किंग हेनरी IV, और अंधा युग. अमन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार जीते हैं, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में थिएटर सोसाइटी प्रतिभाशाली युवा कलाकारों को आश्रय देती है और उनकी रचनात्मकता और दृष्टि के लिए उनकी सराहना की जाती है। सोसाइटी ने आईआईटी दिल्ली में कई पुरस्कार हासिल किए हैं, आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, आईएमटी गाजियाबाद, एमिटी नोएडा, शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ इंडिया, एआरएसडी कॉलेज, जेडएचडीसीई, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, माता सुंदरी कॉलेज, आईआईटी गुवाहाटी, कालिंदी कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज, और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज. इन उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक- आईआईटी गुवाहाटी में जनरल चैंपियनशिप हासिल करना टीम की असाधारण क्षमताओं और समर्पण का प्रमाण है।

द क्लासिकल डांस सोसाइटी, नृत्याथी

नृत्यथी का इसके सदस्यों, समुदाय और पारंपरिक और स्वदेशी नृत्य के संरक्षण पर गहरा प्रभाव पड़ा। एक सहायक और समावेशी वातावरण प्रदान करके, समाज ने महत्वाकांक्षी नर्तकियों की प्रतिभा का पोषण किया है, जिससे वे अपने कौशल को विकसित करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने में सक्षम हुए हैं। इस साल वंदे विष्णु, कुरत्ती अट्टम, शिवोहम, धीर समीरे, शिव पंचाक्षर और अंधा युग जैसी प्रस्तुतियां देखी गईं। सोसाइटी ने एम्स पल्स, आईआईटी रुड़की, रामानुजन कॉलेज, पीजीडीएवी कॉलेज, सेंट स्टीफंस कॉलेज, एलएसआर कॉलेज, एनएसयूटी, बेनेट यूनिवर्सिटी, सिम्बायोसिस और एमएआईएमएस में कई पुरस्कार हासिल किए हैं।

द फाइन आर्ट्स सोसाइटी, सुचित्रा

एक जीवंत और समावेशी दृष्टिकोण के साथ, सुचित्रा छात्रों के बीच रचनात्मकता, सांस्कृतिक जागरूकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने का प्रयास करती हैं। समाज ने देश भर में 270 से अधिक प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिसमें 90 से अधिक व्यक्तिगत और टीम जीत हासिल की गई है। सुचित्रा ने रामजस कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मैत्रेयी कॉलेज, लेडी इरविन कॉलेज, हिंदू कॉलेज और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज सहित विभिन्न प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय कलाकृति प्रस्तुत की है। विशेष रूप से, उन्होंने हिंदू कॉलेज में दूसरा स्थान, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में तीसरा स्थान और मैत्रेयी कॉलेज में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि प्रतीक (सदस्य) ने प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान संस्थान में एकल प्रदर्शनी में भी पहला स्थान हासिल किया। एक अन्य सदस्य, साहिल सहरावत ने अक्टूबर 2023 में पेरिस फैशन वीक में अपनी कलात्मक और मेकअप कलात्मकता का प्रदर्शन करते हुए वैश्विक मंच पर समाज और कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा, समाज ने एसीएस उत्पादन, अंधा युग के लिए रचनात्मक नेतृत्व किया।

वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी, इल्यूम

इल्यूम में युवा और आगामी संगीतकार शामिल हैं जो अपने कौशल को निखारने और मूल संगीत बनाने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। सोसायटी बैटल ऑफ बैंड्स में भी प्रदर्शन करती है।सोसाइटी ने आईआईटी रुड़की, एम्स, नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी, जीएमआर एयरोसिटी, वीआईपी रोहिणी, भारतीय विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, मैत्रेयी कॉलेज, एआरएसडी कॉलेज और मोतीलाल नेहरू कॉलेज में कई पुरस्कार हासिल किए हैं। इल्यूम ने आईआईटी दिल्ली, आईआईआईटी दिल्ली, एलएसआर और एचटी सिटी अनविंड में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया है।

वेस्टर्न डांस सोसाइटी, धनक

धनक न केवल टीम वर्क पर ध्यान केंद्रित करते हैं बल्कि व्यक्ति की क्षमता, आत्मविश्वास, ऊर्जा और अनुशासन को मजबूत करने का भी प्रयास करते हैं। समाज ने हिप-हॉप, हाउस, एमजे, व्हेकिंग, थ्रेडिंग, ट्रेसिंग, आइसोलेशन और कई अन्य जैसे विविध पश्चिमी नृत्य रूपों का प्रदर्शन करके एक पहचान बनाई है। 2023-24 का उत्पादन 'एआई बनाम ह्यूमन' पर एक अवधारणा-आधारित अधिनियम है जिसे म्यूजिकल चेयर के माध्यम से दर्शाया गया है और कैसे प्रत्येक तत्व पर्यावरण, जानवरों और मनुष्यों को समाप्त कर दिया जाता है और अंत में एआई जीत जाता है। सोसाइटी ने आईआईएलएम, मैक्सी दिल्ली, जेडएचडीसीई, जीआईबीएस, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, रॉ वॉर, हटके, मास्टर्स यूनियन, गलगोटिया विश्वविद्यालय, आर्यभट्ट कॉलेज, आईआईटी रुड़की, टेक्निया, एमएएमसी, एमडीआई, डीटीयू, आईजीडीटीयू, आरडीएमएस, बेनेट विश्वविद्यालय, मैत्रेयी कॉलेज, आरईवी यूपी, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, डीसीएसी, और एनडीआईएम। में प्रतिष्ठित पुरस्कार और रैंक हासिल किए हैं।

कैरियर परामर्श और प्लेसमेंट सेल

संयोजक: डॉ धीरज कुमार सिंह

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने 26 अक्टूबर, 2023 को "हाउ टू ऐस द पर्सनल इंटरव्यू राउंड" सेमिनार का आयोजन किया। सत्र की मेजबानी श्री जयंत साहा ने की थी, और विनिर्माण, मीडिया, परीक्षा की तैयारी, बी-स्कूल शिक्षण, प्रबंधन विकास कार्यक्रमों और जीडी / पीआई के लिए छात्रों को तैयार करने में 23 से अधिक वर्षों का कार्य अनुभव है। 31 जनवरी, 2024 को

"फ्यूचर ऑफ हायरिंग" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। डेजीरो के सीओओ अखिलेश कुमार ने सत्र की मेजबानी की। 7 फरवरी, 2024 को भारत के अग्रणी ई-कॉमर्स और एप्लाइड मार्केटिंग लर्निंग इंस्टीट्यूट, डिजीकेल लर्निंग के एंटरप्राइज हेड श्री अर्शदीप द्वारा "अंडरस्टैंडिंग स्टार्ट-अप बिजनेस मॉडल" पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। 27 फरवरी, 2024 को "कॉलेज टू कॉर्पोरेट" पर एक सेमिनार की मेजबानी आईसीएफएआई बैंगलोर से गणित (एच) डीयू, एमबीए B.Sc सुश्री रचिता, 10 साल के अनुभव द्वारा की गई थी। करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने कॉलेज परिसर में 5 और 6 मार्च 2024 को VRITI'24 (वार्षिक नौकरी और इंटर्नशिप मेला) का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। वीआरटीआई का पहला दिन कॉलेज के सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ, जहां अतिथि वक्ता, श्री दयानंद जी (एक सामाजिक विचारक); डॉ. दीपिका श्रीवास्तव (संयुक्त निदेशक - वित्त मंत्रालय, भारत सरकार) और एम. हर्षवर्धन [(आईपीएस) डीसीपी, मध्य दिल्ली] ने सत्र में भाग लेने वाले सभी लोगों के प्रेरणा स्तर को बढ़ाने के साथ-साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वीआरटीआई के दूसरे दिन अल्फा जील, एडमिट एक्स, अटारस्की जैसी कई नई स्टार्ट-अप कंपनियों और पहचान-द स्ट्रीट स्कूल, प्राण फाउंडेशन, नन्हे पक्षी और कई अन्य एनजीओ की उपस्थिति देखी गई। कुछ कंपनियों ने हमारे छात्रों के लिए अवसर प्रदान किए हैं: भौतिकी वालाह, प्रतिभा सेवा, पुनः स्नातक, काम, डिजाइन ओ वेब टेक्नोलॉजीज, फिंडर, सिनिफिक करियर, मेटवी, नोव्यू मेडिकामेंट, बर्ली, डायनिनो इंडिया एलएलपी, स्मार्ट सर्व, नेक्सजॉब, डॉटपे, इंटेलिपेट, इंटरनेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, टाटा एआईए, टीसीएस, प्रोजेक्ट उकियो, प्रयान, मसाया फार्मास्यूटिकल्स, हिरेय, लोरियन फाइनेंस, एक्सिस बैंक, वन एचआरएम 75, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज कैपिटल, बायोवर्ल्ड, ऐस माय प्रेप, डिजिवेंस, पोकी, एआईएम ग्रुप, स्पेस टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, धुंगुरु, कामर्थ, एडमिट एक्स। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल ने इंटरशाला के साथ शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर केंद्र

संयोजक: डॉ. मनीष कुमार

संविधान दर्शन 24 नवंबर 2023 को आयोजित उद्घाटन समारोह था और हिंदी विभाग, ZHDC के प्रोफेसर हरेंद्र सिंह द्वारा एक भाषण दिया गया है।

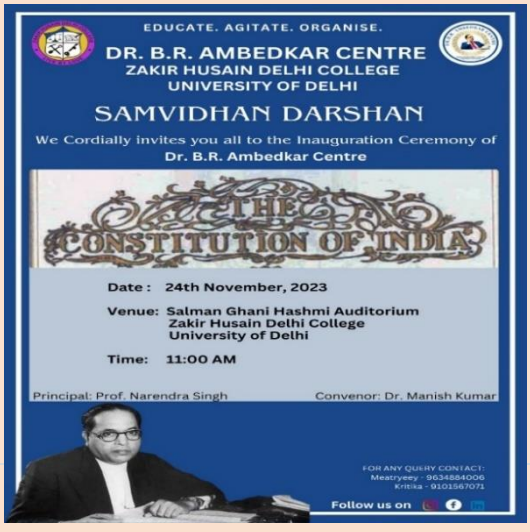

डॉ. बीआर अंबेडकर केंद्र ने 6 दिसंबर 2023 को महापरिनिर्वाण दिवस का आयोजन किया। अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर किशोर ने साइंस ब्लॉक में आयोजित एक छोटे से कार्यक्रम में अंबेडकर की याद में और भारत में सामाजिक न्याय के प्रति उनके योगदान पर एक छोटा व्याख्यान दिया।

बीआर अंबेडकर केंद्र ने 18 मार्च, 2024 को एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले शोध लेख लिखने की कला पर ध्यान केंद्रित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डॉ. अमरजीत ने वक्ता के रूप में कार्य किया।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर केंद्र और विकसित भारत @2047 वायख्यानमाला द्वारा 16 मई, 2024 को "संविधान सभा में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का अंतिम भाषण" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया है। डॉ. कृष्ण गोपाल जी, प्रसिद्ध समाजसेवी मुख्य वक्ता थे।

डॉ बी आर अम्बेडकर केंद्र, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अपने इंटर-कॉलेज, वार्षिक उत्सव, "मनुस्की" का आयोजन किया। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रो. विवेक कुमार जी रहें |

गांधी स्टडी सर्कल

संयोजक: प्रो. संजीव कुमार

सोसायटी ने 18 अगस्त, 2023 को अपना ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया, जहां संयोजक प्रोफेसर संजीव कुमार द्वारा समकालीन दुनिया में गांधी की प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से बताया गया। गांधीवादी कार्यकर्ता श्रीमती इंदुबाला की मदद से, चरखा कताई कक्षाएं औपचारिक रूप से 20 सितंबर 2023 से शुरू हुईं। 29 सितंबर 2023 को गांधी स्टडी सर्कल ने गांधी दर्शन के लिए एक निर्देशित यात्रा का आयोजन किया।2 अक्टूबर, 2023 को महात्मा गांधी की 153वीं जयंती के शुभ अवसर पर, "गांधी की विरासत: शब्द और विपणन ब्रांड" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन किया गया। प्रोग थॉमस वेबर - प्रख्यात गांधीवादी विद्वान और वरिष्ठ फेलो ला ट्रोब विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया के द्वारा दिया गया | ।3 अक्टूबर, 2023 को "गांधी का सत्याग्रह आज: मुद्दे और चुनौतियाँ" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसके बाद वाद-विवाद और कला प्रतियोगिता हुई।शांति निर्माण और सुलह पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था जहां लेफ्टिनेंट कमांडर बिजय नायर अतिथि वक्ता थे, इनके द्वारा 13 नवंबर, 2023 को संघर्ष और युद्ध रहित भविष्य के निर्माण की दिशा में आवश्यक महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला गया। स्थिरता, ऊर्जा और पर्यावरण का मानचित्रण: गांधीवादी अर्थशास्त्र का एक परिप्रेक्ष्य विषय पर 30 जनवरी, 2023 को एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें वक्ता अर्थशास्त्री डॉ. पूजा शर्मा ने गांधी के सिद्धांतों का एक व्यावहारिक विश्लेषण किया।संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में गांधी स्मृति और दर्शन समिति के साथ एक सहयोगात्मक प्रयास - 'नॉन-बिर्ग वायलेंट कम्युनिकेशन' पर प्रेरण समारोह 1 फरवरी, 2024 को शुरू किया गया था। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद और गांधी स्मृति और दर्शन समिति के सहयोग से "संघर्ष समाधान के गांधीवादी दृष्टिकोण की खोज" पर राष्ट्रीय सम्मेलन 20 मार्च, 2024 को आयोजित किया गया है जिसके मुख्य वक्ता कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित गांधीवादी विद्वान प्रोफेसर डेनिस डाल्टन थे और उन्होंने महात्मा गांधी के कर्तव्य की व्याख्या पर प्रकाश डाला। प्रो. रामिन जहानबेगलू ने अपनी विदाई टिप्पणी में क्षमा, मेल-मिलाप और अहिंसा के महत्व को रेखांकित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ़ कॉलेज,प्रोफेसर बलराम पाणि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

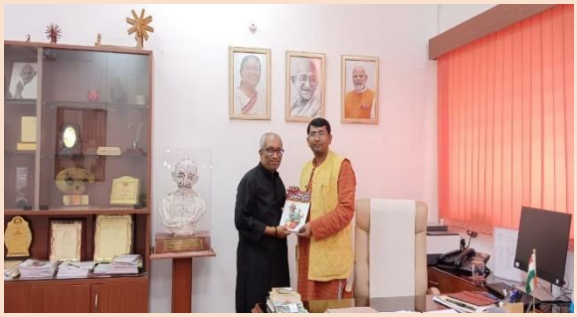

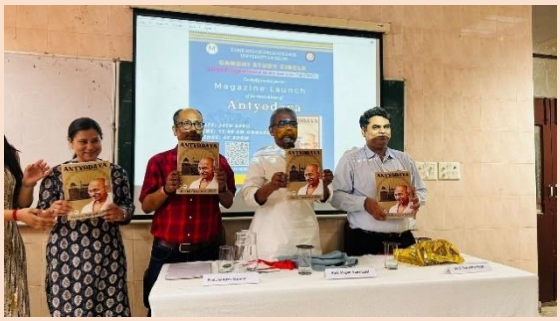

विवेकानंद अध्ययन केंद्र

संयोजक- डॉ धीरज कुमार सिंह

छात्रों की सकारात्मक सोच को क्रियान्वित करने के लिए ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने 12 फरवरी, 2024 को 'विवेकानंद अध्ययन केंद्र' का शुभारंभ किया। इस अध्ययन केंद्र का उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास करना और उन्हें जीवन और समाज को देखने और समझने के सकारात्मक पक्ष की ओर ले जाना है। केंद्र नई पीढ़ी को देश की कई हस्तियों से परिचित कराने की दिशा में काम करता है, जो विभिन्न कारणों से इतिहास में हाशिए पर थे और उन्हें हमारी भाषा, संस्कृति और परंपरा से परिचित कराकर भारतीय मूल्यों को उचित संदर्भ में समझाते हैं। इस अध्ययन केंद्र के उद्घाटन के लिए दो युवा प्रतिभाओं - पर्वतारोही विजेता सुश्री मीनू कालीरमन और पहलवान संग्राम सिंह को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह भी घोषणा की गई कि कॉलेज में 'फाउंडेशन ऑफ मशीन लर्निंग' पर 40 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा।

द गार्डेनिंग एंड ग्रीनिंग कमेटी

संयोजक: डॉ. रितु माथुर

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की बागवानी और हरियाली समिति ने पर्यावरण जागरूकता, स्थिरता और परिसर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न पहल की। समिति ने विवेकानंद अध्ययन केंद्र के साथ मिलकर 12 जनवरी, 2024 को "राष्ट्रीय युवा दिवस" के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया। 22 फरवरी 2024 को, समिति ने "क्लीन कैंपस ग्रीन कैंपस ड्राइव" के लिए प्रकृति और पर्यावरण समाज अरन्या के साथ सेना में शामिल हो गई, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को

परिसर की सफाई और उचित अपशिष्ट निपटान को बढ़ावा देने में शामिल किया गया। कॉलेज ने 1 मार्च, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 66वें वार्षिक फ्लावर शो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें तीन रोलिंग ट्राफियां और कई व्यक्तिगत पुरस्कार जीते। 5 और 6 मार्च 2024 को आयोजित कॉलेज का पहला फ्लावर शो, "पुष्प माधुर्य", एक महत्वपूर्ण आकर्षण था, जिसमें परिसर में उगाए गए फूलों की विविधता को प्रदर्शित किया गया था। समिति ने स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वर्मी-कम्पोस्ट इकाई को भी पुनर्जीवित किया और पेड़ नंबरिंग और नामकरण शुरू किया। उल्लेखनीय हस्तियों को सम्मानित करने के लिए, तीन परिसर उद्यानों का नाम रखा गया था: दशरथ माझी के लिए रॉक गार्डन, डॉ जानकी अम्मल के लिए वनस्पति उद्यान और वीरांगना दुर्गावती के लिए विज्ञान ब्लॉक के सामने उद्यान। इसके अतिरिक्त, कॉलेज के बागवानों ने अपने कौशल में सुधार करने के लिए लोधी गार्डन में एक कार्यशाला में भाग लिया।

गर्ल्स असोशिएशन

संयोजक: डॉ. नमता चतुर्वेदी

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की गर्ल्स एसोसिएशन ने सत्र 2023 से 2024 में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। 6 मार्च 2024 को गर्ल्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'टीनएज टू वुमनहुड' पर बात की । गर्ल्स एसोसिएशन की संयोजक डॉ. नीलम कुमारी ने डॉ. रचना गुप्ता का स्वागत किया और डॉ. रीटा ने उन्हें गमले में लगा पौधा भेंट किया। संगोष्ठी का उद्देश्य युवा लड़कियों को यौवन और नारीत्व से जुड़े शारीरिक और भावनात्मक बदलावों के बारे में शिक्षित करना था। डॉ. रचना गुप्ता के इंटरैक्टिव सत्र में एक मजबूत प्रश्न-उत्तर खंड शामिल था, जहां उपस्थित लोगों को अपनी चिंताओं को दूर करने और उनके द्वारा अनुभव किए जा रहे परिवर्तनों के बारे में संदेह स्पष्ट करने का अवसर मिला। कवर किए गए विषयों में यौवन, मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और स्व-देखभाल प्रथाएं शामिल थीं। डॉ. रचना गुप्ता की विशेषज्ञता और जुड़ाव के माध्यम से, प्रतिभागियों ने मूल्यवान अंतर्दृष्टि और जानकारी प्राप्त की, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और समझ के साथ जीवन के इस परिवर्तनकारी चरण को नेविगेट करने के लिए सशक्त बनाया गया। इस आयोजन ने युवा लड़कियों को सीखने और बढ़ने के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे नारीत्व को सकारात्मक रूप से अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ छोड़ दें। इसके अलावा, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के गर्ल्स एसोसिएशन ने महिला दिवस (7 मार्च 2024) की पूर्व संध्या पर एक दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन

किया। इस कार्यक्रम में वाद-विवाद प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रत्येक प्रतियोगिता में तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। विभिन्न शिक्षकों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में जज बनकर अपनी भूमिका निभाई, और इस कार्यक्रम के प्रबंधन को समाज की कोर टीम द्वारा अच्छी तरह से समन्वित किया गया।

पुस्तकालय विकास रिपोर्ट

संयोजक: डॉ. साइमा

आवंटित 20.5 लाख में से 12 लाख सोसायटी के विकास के लिए अनुदान से खर्च किए गए थे। इस साल कॉलेज के पुस्तकालय में 1752 किताबें जोड़ी गईं। पुस्तकालय विभिन्न भाषाओं में पाठकों के लिए 23 समाचार पत्र और 35 पत्रिकाएँ भी उपलब्ध कराता है। कॉलेज लाइब्रेरी शैक्षणिक वर्ष 2017-2018 से वेब सेंट्रिक एलएसईएसई (लिबसिस 10 आईएलएमएस का कॉलेज संस्करण) सॉफ्टवेयर का उपयोग करके तीन बिंदुओं पर सर्कुलेशन की सुविधा के साथ पूरी तरह से स्वचालित मोड में सफलतापूर्वक काम कर रही है, जबकि तीन कंप्यूटर सिस्टम ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (वेबओपीएसी) के उद्देश्य से समर्पित किए गए हैं। पिछले वर्षों की तरह, 12 अगस्त 2023 को कॉलेज लाइब्रेरी में राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस मनाया गया राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस 2023 के अवसर पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की पुस्तकालय और सूचना विज्ञान प्रश्नोत्तरी कॉलेज की पुस्तकालय समिति और आईक्यूएसी के सहयोग से और भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान जन भागीदारी कार्यक्रमों के तहत विभिन्न आयोजनों के 7 भाग के रूप में आयोजित की गई थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. स्वाती अग्रवाल

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने 21 जून, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के हिस्से के रूप में, एनएसएस इकाई ने 14 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस

समारोह का आयोजन किया | एनएसएस इकाई ने 1 अक्टूबर, 2023 को कॉलेज परिसर अंदर और उसके आसपास, एक स्वच्छता अभियान चलाया। विविधता में एकता की अवधारणा को अपनाते हुए, एनएसएस इकाई ने 13 अक्टूबर, 2023 को "अमृत कलश यात्रा" का आयोजन किया। खादी के उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम के रूप में 30 अक्टूबर, 2023 को "खादी महोत्सव" पर एक सत्र आयोजित किया गया था। उसी दिन, एनएसएस इकाई ने विविधता में एकता के विचार को मनाने और सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का सम्मान करने के लिए "राष्ट्र एकता दिवस" मनाया। कॉलेज के डॉ. बीआर अंबेडकर केंद्र के सहयोग से 24 नवंबर, 2023 को संविधान दिवस मनाया गया |11 मार्च, 2024 को छात्रों में उनके वोट के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए "मेरा पहला वोट देश के लिए" विषय पर एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। TAARUNYA'24, एक राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, 21 मार्च, 2024 को हुआ, जिसमें माननीय खेल, युवा मामले और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि थे। अन्य उल्लेखनीय अतिथियों में डॉ. रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, भारत सरकार; श्री अजय चौधरी, आईपीएस, विशेष आयुक्त, दिल्ली पुलिस; स्वामी प्रेम परिवर्तन, पीपल बाबा के नाम से प्रसिद्ध; श्री सुधांशु रंजन, पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक, दूरदर्शन; श्री सी सैमुअल चेलैया, उप कार्यक्रम सलाहकार, एनएसएस, युवा मामले और खेल मंत्रालय; श्री शार वान राम, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस दिल्ली; श्री नरेंद्र बिश्नोई, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, दिल्ली विश्वविद्यालय; और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिल्ली विश्वविद्यालय और गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जैसे कि दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा डीयू शताब्दी समारोह; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नारी शक्ति कॉन्क्लेव; गृह मंत्रालय द्वारा संचालित एकता; और जिला निर्वाचन कार्यालय, शाहदरा द्वारा मतदान चलाया जाता है।

खेल सलाहकार समिति

संयोजक: डॉ शिवानी अब्रोल

कॉलेज के एथलीटों ने एसआरसीसी द्वारा आयोजित FOYS में भाग लिया और दो स्वर्ण पदक जीते, एक 100 मीटर स्प्रिंट में और दूसरा लंबी कूद में और उन्हें शॉट पुट में रजत पदक से सम्मानित किया गया। कॉलेज की बास्केटबॉल टीम ने एसआरसीसी द्वारा आयोजित FOYS, एलएसआर द्वारा आयोजित खेल टूर्नामेंट और सेंट स्टीफंस कॉलेज द्वारा आयोजित बास्केटबॉल आमंत्रण टूर्नामेंट में भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। टीम ने नई दिल्ली वाईएमसीए XXV आमंत्रण इंटर कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में एक मैच जीता और एक हार गई। शतरंज में, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज टूर्नामेंट में दसवां स्थान, शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सर्ज'23 में चौथा स्थान, एलएनएमआईआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित डेसपोर्टिवोस'24 में पहला स्थान, डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बॉस्को टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी) द्वारा आयोजित स्पर्डा'24 में दूसरा स्थान और एमएलएनसी द्वारा आयोजित फ्रैक्चरल में पहला स्थान हासिल किया। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज टूर्नामेंट में भाग लिया, महर्षि प्रीमियर लीग, सीजन 3 (टी 20) में चैंपियन बने, जेडएचडीसी (शाम) द्वारा आयोजित

एमएम बेग क्रिकेट टी 20 टूर्नामेंट में एक मैच जीता और दूसरे मैच में हार गए और पीजीडीएवी कॉलेज द्वारा आयोजित द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज टी 20 (दिन एन नाइट) क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया। टीम एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पर्डा'24 में सेमीफाइनल में पहुंची, डॉ अखिलेश दास गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित अस्तित्व '24 में फाइनल में पहुंची, डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बॉस्को टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी) द्वारा आयोजित स्पर्डा'24 में क्वार्टर फाइनल तक खेली और डीटीयू द्वारा आयोजित अहवान'24 में और जेएमसी द्वारा आयोजित एचओबीएनओबी'24 में भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप और दिल्ली जूडो ओलंपिक चैम्पियनशिप में कांस्य पदक और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, 39 वीं दिल्ली राज्य जूडो चैम्पियनशिप में रजत (जूनियर स्तर) और कांस्य पदक जीता, लेडी श्रीराम कॉलेज जूडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक, आरआर जूडो चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक काटा और कुमाइट में पहली एसकेसीआई राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक द्वितीय ओपन स्टेट उत्तर प्रदेश किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप-2023 में स्वर्ण पदक जीता, 25वीं हरियाणा राज्य सीनियर चैंपियनशिप और 25वीं हरियाणा राज्य जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीते। कुराश चैम्पियनशिप में सीनियर और जूनियर दोनों स्तरों पर पदक जीतने का सिलसिला जारी रहा, जहां सीनियर स्तर की चैम्पियनशिप में तीनों स्थान और जूनियर चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया गया। ZHDC ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गर्व से प्रतिनिधित्व किया और रजत पदक जीता। नेशनल ब्लैक बेल्ट एंड ग्रेडेशन कैंप 13 -20 अप्रैल 2023 में कॉलेज के खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। कॉलेज जूडो खिलाड़ी ने दूसरी ओपन स्टेट उत्तर प्रदेश किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीता ।दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज टूर्नामेंट में भाग लिया, डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बॉस्को टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी) द्वारा आयोजित स्पर्डा'24 में सेमीफाइनल में पहुंचे, एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित स्पर्डा'24 में भाग लिया, जहां टीम दूसरा मैच हार गई, बेनेट यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित स्पोर्टिकन (2024) में क्वार्टर फाइनल में पहुंची। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज टूर्नामेंट में भाग लिया, एशियाई शिक्षा समूह द्वारा आयोजित एथलीमा 2024 में तीसरा स्थान हासिल किया और सत्यवती कॉलेज खेल टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे। टीम ने शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सर्ज'23 में और एलएनएमआईआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित डेसपोर्टिवोस'24 में प्रथम पुरस्कार जीता, एसआरसीसी द्वारा आयोजित एफओवाईएस में तीसरा स्थान हासिल किया। एलएसआर में एकल स्पर्धा में तीसरा स्थान और जेएमसी द्वारा आयोजित एचओबीएनबीओबी में युगल स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया। एक छात्र को नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी के लिए ट्रायल में चुना गया और नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी में डीयू का प्रतिनिधित्व किया और तीसरा स्थान हासिल किया और हाल ही में संपन्न खेलो इंडिया'24 में भी भाग लिया। दो दिवसीय इंट्रा कॉलेज स्पोर्ट्स टूर्नामेंट, खेल बसंत'24 का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्रिकेट, बैडमिंटन, टीटी, शतरंज और एथलेटिक्स में उत्साही भागीदारी देखी गई।

मॉडल संयुक्त राष्ट्र सोसाइटी-DELZAK

संयोजक: डॉ. निशा जायसवाल

सत्र 2023-24 में, डेलज़क ने 5 सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधिमंडल पुरस्कारों के साथ विभिन्न क्षमताओं में 250 से अधिक व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त किए हैं, दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल में एस्पेरेट एमयूएन, द्वारका; एलसीडी एमयूएन 5.0 , लॉ कॉलेज देहरादून, उत्तरांचल विश्वविद्यालय; IMSMUNC एट IMS गाजियाबाद; माता सुंदरी कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएमसी एमयूएन - जीसस एंड मैरी कॉलेज में टीएनएस एमयूएन। दिल्ली विश्वविद्यालय।

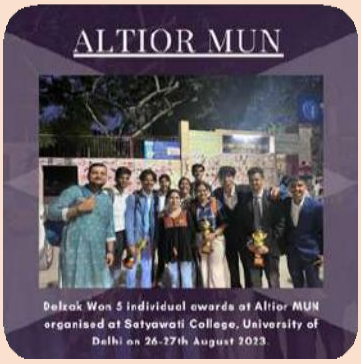

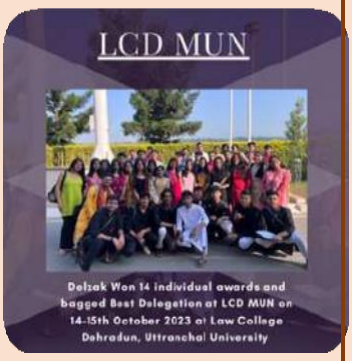

क्विज़िंग सोसाइटी

संयोजक: डॉ. महमूद आलम

क्विंटेसेंस, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की क्विजिंग सोसाइटी ने साप्ताहिक इंट्रा-सोसाइटी क्विज सत्रों की एक दशक लंबी परंपरा को बनाए रखा है, जिसमें वरिष्ठ सदस्यों को अभिविन्यास, समीक्षा सत्र और प्रश्न-निर्धारण कार्यशालाओं के माध्यम से जूनियर्स को क्विज़िंग कौशल सिखाने में शामिल किया गया है। पूरे वर्ष, समाज के सदस्यों ने परिश्रमपूर्वक उच्च गुणवत्ता वाले क्विज़ सेट तैयार किए, उन्हें घटनाओं के बाद व्यापक क्विज़िंग समुदाय के साथ साझा किया। क्विंटसेंस ने कॉलेज के विभिन्न विभागों के साथ सहयोग किया, कॉमर्स सोसाइटी द्वारा इनोविज़न, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अवाम, इतिहास विभाग द्वारा प्रतिधवानी और अम्बेडकर स्टडी सर्कल द्वारा मनुस्की जैसे उत्सवों और कार्यक्रमों में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने व्यापक छात्र दर्शकों के साथ ज्ञान साझा करने के लिए कॉलेज की अंग्रेजी वार्षिक पत्रिका रामबलर में प्रश्नों का एक सेट का योगदान दिया। समाज के

प्रमुख कार्यक्रम, क्विज़ाथॉन और चक्रव्यूह, शैक्षणिक वर्ष के मुख्य आकर्षण थे। 2 फरवरी को आयोजित एक इंट्रा-कॉलेज कार्यक्रम क्विजाथॉन में सामान्य और बॉलीवुड-थीम वाली क्विज़ शामिल थीं। भारतीय संविधान दिवस को चिह्नित करने के लिए, समाज ने 23 नवंबर को "वी द पीपल," एक संविधान प्रश्नोत्तरी की मेजबानी की।समाज के प्रमुख कार्यक्रम, क्विज़ाथॉन और चक्रव्यूह, शैक्षणिक वर्ष के मुख्य आकर्षण थे। 2 फरवरी को आयोजित एक इंट्रा-कॉलेज कार्यक्रम क्विजाथॉन में सामान्य और बॉलीवुड-थीम वाली क्विज़ शामिल थीं। भारतीय संविधान दिवस को चिह्नित करने के लिए, समाज ने 23 नवंबर को "वी द पीपल," एक संविधान प्रश्नोत्तरी की मेजबानी की।

विकसित भारत @2047

नोडल अधिकारी: डॉ. साइमा

एक प्रगतिशील पहल, विकसित भारत @2047 स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक राष्ट्र को विकसित स्थिति की ओर आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह समग्र दृष्टि सभी क्षेत्रों में समग्र विकास को प्राथमिकता देती है, जिसका लक्ष्य न केवल आर्थिक समृद्धि बल्कि सामाजिक समावेशिता, पर्यावरणीय स्थिरता और प्रभावी शासन भी है। रणनीतिक नीतियों और सहयोग के माध्यम से, विकसित भारत नवाचार और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए भारत की विविध आबादी, विशेष रूप से इसके युवाओं की क्षमता का उपयोग करना चाहता है।

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की विकसित भारत समिति का उद्घाटन समारोह 29 फरवरी, 2024 को हुआ। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह और ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज गवर्निंग बॉडी के माननीय अध्यक्ष, प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह सहित सम्मानित अतिथि उपस्थित थे। यह समारोह भारत के भीतर विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज के समर्पण में एक उल्लेखनीय उपलब्धि का प्रतीक है। इस अवसर को समृद्ध बनाने के लिए, भारत में स्टार्टअप्स पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें सम्मानित पैनलिस्ट शामिल थे: डॉ. अभिषेक टोंडन, संयुक्त सीईओ, उधमोद्या फाउंडेशन; श्री शोनल गुप्ता, प्रसादिनी ऑयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और दूरदर्शी; और डॉ. आदित्य ठाकुर, सीईओ और संस्थापक डेंटरिफाइस प्राइवेट लिमिटेड इस व्यावहारिक चर्चा के बाद, नवाचार और रचनात्मकता के सार का जश्न मनाने के लिए वीडियो मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न छात्र गतिविधियां आयोजित की गईं जो विकसितभारत @2047 की दृष्टि की विशेषता है। उद्घाटन समारोह का समापन विकास Bharat@2047 के लिए सर्वश्रेष्ठ विचारों के लिए नकद पुरस्कार वितरण सत्र के साथ हुआ, जो कार्यक्रम के सफल समापन को चिह्नित करता है। उद्घाटन समारोह का समापन विकासत भारत @2047 के लिए सर्वश्रेष्ठ विचारों के लिए नकद पुरस्कार वितरण सत्र के साथ हुआ, जो कार्यक्रम के सफल समापन को चिह्नित करता है। बीएसई संस्थान के सहयोग से, विकसित भारत समिति ने "शेयर बाजार में निवेश के अवसरों" की खोज पर केंद्रित एक संगोष्ठी की सुविधा प्रदान की। संगोष्ठी में बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के उपाध्यक्ष श्री पुलॉक भट्टाचार्जी को मुख्य वक्ता के रूप में दिखाया गया। इस

सहयोगी प्रयास का उद्देश्य शेयर बाजार के भीतर निवेश की संभावनाओं के बारे में उपस्थित लोगों की समझ को समृद्ध करना है।

हमारे कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7 मार्च, 2024 को आयोजित विकसित भारत एंबेसडर - नारी शक्ति कॉन्क्लेव में सक्रिय भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य करने वाली माननीय केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की कैबिनेट मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी की सम्मानित उपस्थिति रहीं । हमारे कॉलेज की 100 से अधिक छात्राओं और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक इस सशक्त कार्यक्रम में भाग लिया। विकसित भारत @2047 समिति ने 22 मार्च 2024 को आयोजित "जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी के दर्शन में भारतीय एकता और भाषाएं" विषय पर हिंदी साहित्य समिति, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से वैख्यानमाला का आयोजन किया। यह आयोजन यह पता लगाने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है कि शंकराचार्य का दर्शन राष्ट्रीय एकता और भारत में विविध भाषाओं के महत्व पर समकालीन चर्चाओं को कैसे सूचित कर सकता है। 15 अप्रैल, 2024 को विकसित भारत समिति ने अम्बेडकर केंद्र के सहयोग से "डॉ. भीमराव अम्बेडकर की संविधान सभा में अंतिम भाषा" विषय पर वैख्यानमाला का आयोजन किया। यह व्याख्यान श्रृंखला डॉ. अम्बेडकर की चिरस्थायी विरासत और भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के मूलभूत आदर्शों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। 8 मई, 2024 को ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों ने उत्साह और दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित "रन फॉर विकसित भारत" कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसमें साइना नेहवाल और राजकुमार राव जैसे गणमान्य व्यक्तियों के भाषण गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में शामिल थे, जिन्होंने राष्ट्रीय विकास और सामुदायिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों के बीच एकता और सौहार्द की भावना को बढ़ावा दिया।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड:
डॉ. सुनील कुमार (संयोजक)
डॉ. तृप्ता शर्मा
डॉ. मनीष कुमार (रसायन विज्ञान)
डॉ. रेणु
सुश्री तान्या जौहरी
डॉ. इमरान अहमद चौधरी
श्री दशरथ मीणा
श्री अशोक शर्मा
डॉ. सचिन कुमार
डॉ. सरिता सरसर
डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी
श्री जय कुमार
डॉ. अभिनव सिंह
श्री अतुल आर्य
डॉ. मोहम्मद अमीर
डॉ. गतिकृष्ण महंत
छात्र संघ सलाहकार बोर्ड:
डॉ. सतीश गंटा (संयोजक)
डॉ. शबाना आज़मी
डॉ. सज्जन कुमार
डॉ. मनोहर लाल
सुश्री लीला गौतम
सुश्री अपर्णा
डॉ. मनीष कुमार (इलेक्ट्रॉनिक्स)
डॉ. इबरार अली शाह
डॉ. विपिन कुमार
श्री हितेश कुमार
डॉ. वेलेंटीना ब्रहमा
कला और संस्कृति सोसायटी:
डॉ. निधि धवन (संयोजक)
डॉ. नीलम पाहवा
डॉ. गायत्री सिसोदिया
सुश्री स्वर्णिका

डॉ. अरविन्द कुमार राजपूत
डॉ. रुचि वीर
सुश्री श्रुति गोयल
डॉ. सुनैना सैनी
डॉ. मनोरमा
सुश्री वाणी कनौजिया
खेल सलाहकार बोर्ड:
डॉ. शिवानी अबरोल (संयोजक)
डॉ. परवीन गिल
डॉ. दीपिका शर्मा
डॉ. विष्णुद्युत्या कुमार पुंज
डॉ. हामिद हुसैन
डॉ. राज कुमार
डॉ. रामविलास मौर्य
श्री इतेन्द्र कुमार
श्री कौशल भार्गव
गर्ल्स एसोसिएशन:
डॉ. नम्रता चतुर्वेदी (संयोजक)
डॉ. गीतांजलि यादव
डॉ. परवेश
सुश्री अंजना यादव
डॉ. साक्षी वासन
सुश्री शेफाली यादव
डॉ. स्वाति
सुश्री के. उमा
डॉ. ज्योति सिंह
छात्र सहायता समिति:
डॉ. अताउल्लाह (संयोजक)
श्री अंशु रस्तोगी
डॉ. आफताब आलम
डॉ. सुनील कुमार
सुश्री तान्या लाहों वारजरी
डॉ. ग्रेस लालखवंगई

डॉ. रंजीत कुमार निराला	डॉ. शोएबा
डॉ. चंदरकला	
डॉ. सैयद मोहम्मद तारिक	<u>आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी):</u>
डॉ. मुकेश कुमार (रसायन विज्ञान)	प्रो समता गोयल (संयोजक)
	प्रो हरेंद्र सिंह
<u>कैरियर परामर्श और प्लेसमेंट सेल:</u>	डॉ. निशा जायसवाल
डॉ. धीरज कुमार सिंह (संयोजक)	श्री जावेद आसिफ
डॉ. रागेश पी.आर.	श्री एम. निजाम अशरफ
डॉ. सुजीत बसु	श्रीमती नीलोफर खान
डॉ. महमूद आलम	
डॉ. गायत्री सिसोदिया	<u>बी.ए. कार्यक्रम समिति:</u>
डॉ. सत्येंद्र कुमार ठाकुर	प्रो. संजीव कुमार (संयोजक)
डॉ. सुनील कुमार	डॉ. महमूद आलम
डॉ. मनीष कुमार (रसायन विज्ञान)	डॉ. अताउल्लाह
डॉ. सविता किरण	डॉ. धीरज कुमार सिंह
	डॉ. वेणु गोपाल
<u>उद्यान और हरियाली समिति:</u>	डॉ. संचिता शर्मा
डॉ. रितु माथुर (संयोजक)	डॉ. स्वाति (गणित)
डॉ. सुनील कुमार	डॉ. साइमा
डॉ. निधि धवन	
डॉ. नीलम पाहवा	<u>उत्तर पूर्व राज्य परामर्श और कल्याण सेल:</u>
डॉ. अनीता कटना	श्री एल. बिधानचंद्र सिंह (संयोजक))
डॉ. देवयानी मुले	डॉ. डी.चाओ
डॉ. स्वाति	सुश्री तान्या लाहों वारजरी
सुश्री स्वर्णिका	सुश्री वेलेंटिना ब्रह्मा
	डॉ. लक्ष्मी रानी बसुमतारी (गणित)
<u>वाद-विवाद कमेटी:</u>	<u>ईओसी समिति:</u>
प्रो सरस्वती (संयोजक)	प्रो किशोर कुमार दास (संयोजक)
डॉ. सुनील कुमार	डॉ. सविता सिंह
डॉ. सविता किरण	श्री भरत भट्ट
डॉ. अदिति शर्मा	डॉ. सत्येंद्र कुमार ठाकुर
डॉ. सुरैया खान	सुश्री चीनू मदान
डॉ. रूबी बंसल	सुश्री बनानी चौधरी
श्री मनीष कुमार (इलेक्ट्रॉनिक्स)	श्री शमीम, लैब। (वनस्पति विज्ञान)
डॉ. नितेश कुमार	

सक्षम इकाई:	
प्रो.किशोर कुमार दास (संयोजक)	**भौतिक विज्ञान सोसायटी:**
डॉ. सविता सिंह	डॉ. संजीव कुमार मिश्रा (संयोजक)
डॉ. रामकिशोर महोलिया	डॉ. सतीश कुमार राजौरिया
श्री राज कुमार	श्री दशरथ मीणा
डॉ. रवि कांत	
सुश्री चीनू मदान	**गांधी स्टडी सर्कल:**
सुश्री दीक्षा यादव	प्रो. संजीव कुमार (संयोजक)
	सुश्री मानशी मिश्रा
लाइफ साइंस सोसाइटी "फ्यूजन":	डॉ. अंजना यादव
1. डॉ. सुनील कुमार (संयोजक))	डॉ. संचिता शर्मा
2. डॉ. अरविन्द कुमार राजपूत	डॉ. साइमा
3. डॉ. देवयानी मुले	

प्रवेश: कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवार को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता का उल्लेख करना चाहिए जिनमें CUET (UG) – 2024 में दिखाई देना चाहिए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए CUET (UG) - 2024 में चुने जाने वाले भाषाओं और डोमेन विशिष्ट विषयों की सूची।

तालिका A

CUET (UG) - 2024 की धारा 1A और धारा 1B की भाषाएँ

अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिन्धी
आसामी	हिंदी	मराठी	स्पैनिश
बांग्ला	इटैलियन	नेपाली	तमिल
बोडो	जापानी	उड़िया	तेलूगू
चीनी	कन्नड़	फ़ारसी	तिब्बती
डोगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
अंग्रेज़ी	कोंकणी	रूसी	
फ़्रेंच	मैथिली	संस्कृत	
जर्मन	मलयालम	संथाली	

तालिका B

CUET (UG) - 2024 की धारा II में उल्लिखित डोमेन विशिष्ट विषयों को सूची B1 और सूची B2 के तहत वर्गीकृत किया गया है।

तालिका B1	तालिका B2
एकाउंटेंसी	कृषि
मानव-विज्ञान	अभियांत्रिकी ग्राफिक्स
जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन	उद्यमशीलता
बिजनेस स्टडीज	ललित कला/दृश्य कला (मूर्तिकला/पेंटिंग)/वाणिज्यिक कला
रसायन शास्त्र	भारत का ज्ञान, परंपरा और व्यवहार
कंप्यूटर विज्ञान/सूचना अभ्यास	मास मीडिया/मास कम्युनिकेशन
अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र	कला प्रदर्शन
पर्यावरण अध्ययन	शारीरिक शिक्षा / एनसीसी / योग
भूगोल/भूविज्ञान	शिक्षण योग्यता
इतिहास	
गृह विज्ञान	

कानूनी अध्ययन
गणित/अनुप्रयुक्त गणित
भौतिक विज्ञान
राजनीति विज्ञान
मनोविज्ञान
संस्कृत
समाजशास्त्र

बीए (ऑनर्स.) अरबी

इस विषय में, छात्र पहले चरण में अरबी लिपि सीखेंगे, जिसमें अरबी वर्णमाला की मान्यता, पढ़ना और लिखना शामिल हो सकता है। लिपि सीखने के बाद, वह अरबी में छोटे और सरल वाक्यों को पढ़ने में सक्षम होगा; एक उन्नत पाठ्यक्रम के साथ एस (वह) अरबी पाठ को समझने में उत्कृष्टता प्राप्त करेगा। छात्र अरबी व्याकरण सीखने में सक्षम होंगे जो पढ़ने और लिखने के कौशल को बेहतर बनाने में मदद करेगा और इस प्रकार उनकी भाषा के प्रदर्शन को बढ़ाएगा। शास्त्रीय/आधुनिक अरबी साहित्य पर उचित ध्यान दिया जाता है। उम्मीदवार शास्त्रीय / आधुनिक अरबी भाषा का अवलोकन प्राप्त करेगा और अरबी भाषा में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के बारे में बात करने और लिखने में सक्षम होगा। पाठ्यक्रम दिन-प्रतिदिन के जीवन में बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए सरल राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक विषयों के अंग्रेजी-अरबी-अंग्रेजी अनुवाद पर भी केंद्रित है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए:संयोजन I: सूची A से अरबी + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 या संयोजन II से कोई एक विषय: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 से कोई भी एक विषय मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ CUET स्कोर पर आधारित होगी। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए संयोजन II का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा जब संयोजन I का विकल्प चुनने वाले सभी उम्मीदवारों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहती हैं।

बी.ए. (ऑनर्स) बंगाली

बी.ए. (ऑनर्स) बंगाली प्रोग्राम अध्ययन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों, अर्थात, भाषा के ऐतिहासिक और वर्णनात्मक अध्ययन को कवर करना चाहता है; विशिष्ट उद्देश्यों के लिए भाषा का अध्ययन, जैसे फिल्म स्क्रिप्ट, विज्ञापन, आधिकारिक लेखन, रचनात्मक लेखन, अनुवाद, पत्रकारिता लेखन, न्यू मीडिया के लिए लेखन, आदि। पांडुलिपि विज्ञान, शिक्षण पद्धति जैसे विशिष्ट क्षेत्रों का अध्ययन, साहित्य और आलोचना के सिद्धांतों का अध्ययन, और बंगाली साहित्य के इतिहास और महत्वपूर्ण साहित्यिक ग्रंथों का अध्ययन कार्यक्रम का एक हिस्सा है.

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए:
संयोजन I: सूची A से बंगाली + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 या संयोजन II से कोई एक विषय: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 से कोई भी एक विषय मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ CUET स्कोर पर आधारित होगा। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए संयोजन II का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा जब कॉम्बिनेशन का विकल्प चुनने वाले सभी उम्मीदवारों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहती हैं।

बीए (ऑनर्स) अंग्रेज़ी

अंग्रेजी में बीए (ऑनर्स) का कार्यक्रम छात्रों को अंग्रेजी में लिखे गए साहित्यिक ग्रंथों के साथ विश्लेषण, सराहना, समझने और गंभीर रूप से संलग्न करने, विभिन्न दृष्टिकोणों से और स्थानों की स्पष्ट समझ के साथ संपर्क करने में मदद करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को किसी पेशे में शामिल होने या विशेष रोजगार सेटिंग्स में विकास के अवसर प्रदान करने के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए लैस करना है। स्नातक विभिन्न प्रकार की नौकरियों में प्रवेश करने या उच्च स्तर पर अकादमिक अध्ययन जारी रखने में सक्षम हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए:English from List A + Any two सूची बी 1 + सूची बी 1 या सूची बी 2 मेरिट से कोई भी एक विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगा

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी

यह कार्यक्रम हिंदी के छात्रों को भाषा की क्षमता की व्यापक समझ से परिचित कराता है, साथ ही स्थानीय और वैश्विक स्तर पर समाज की चुनौतियों के संदर्भ में उन्हें जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। यह हिंदी साहित्य की एक नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता और पेशेवर क्षमता की सुविधा भी प्रदान करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए:
सूची ए से हिंदी + सूची बी 1 से कोई भी दो विषय + सूची बी 1 या सूची बी 2 मेरिट से कोई भी एक विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगा।

बीए (ऑनर्स) फ़ारसी

यह कार्यक्रम छात्रों को फारसी भाषा और साहित्य और फारसी संस्कृति के तीन प्रमुख घटकों के साथ विकसित करने और लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें इंडो-फारसी संस्कृति, हमारी धर्मनिरपेक्ष विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल है। इनके साथ, एक छात्र दक्षिण एशियाई अध्ययन में इस भाषा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एक जिम्मेदार नागरिक और अच्छी तरह से सुसज्जित हो जाता है, जो विश्व स्तर पर कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में तेजी से बढ़ता अनुशासन बन रहा है। विभिन्न शिक्षण पद्धतियों के कार्यात्मक पहलू को बढ़ावा देने के लिए, जैसे भाषा प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक कक्षाएं और बोली जाने वाली भाषा संगोष्ठी और व्याख्या सत्र आयोजित किए जाते हैं। **विषय विशिष्ट पात्रता**

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए:**Combination I:** सूची ए से फारसी + सूची बी **1** से कोई भी दो विषय + सूची बी **1** या सूची बी **2** या संयोजन **II** से कोई भी

बीए (ऑनर्स) संस्कृत

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (कविता) की सामान्य रूपरेखा से परिचित कराना, महान संस्कृत कवियों के कार्यों का एक उचित विचार विकसित करना, व्यक्तिगत कवियों की शैलियों और विचारों की सराहना करना है। यह कार्यक्रम पवित्र शास्त्रीय संस्कृत में क्षमता बढ़ाएगा और उन्हें काव्य कार्यों के अनुवाद और व्याख्या में कौशल प्रदान करेगा।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: संयोजन **I:** सूची **A** से कोई एक भाषा + सूची **B1** से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची **B1** से होना चाहिए

या

संयोजन **II:** सूची **A** से कोई एक भाषा + सूची **A** से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची **B1** से होना चाहिए

या

संयोजन **III:** सूची **A** से संस्कृत + कोई भी तीन विषय जिनमें से कम से कम दो सूची **B1** से होने चाहिए

या

संयोजन **IV:** सूची **A** से कोई एक भाषा + सूची **B1** से कोई भी दो विषय + सूची **B1** या सूची **B2** मेरिट से कोई भी एक विषय उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ **CUET** स्कोर पर आधारित होगा। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए संयोजन **IV** का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा जब संयोजन **I/II/III** का विकल्प चुनने वाले सभी उम्मीदवारों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहती हैं

बी.ए. (ऑनर्स)उर्दू

उर्दू भाषा में उर्दू साहित्य का एक इतिहास है जो फारसी-अरबी लिपि में लिखी गई हिंदुस्तानी भाषा के पंजीकरण उर्दू के विकास से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है। हालांकि यह कविता पर हावी है, विशेष रूप से ग़ज़ल और नज़्म के छंद रूपों, यह लेखन की अन्य शैलियों में विस्तारित हुआ है, जिसमें लघुकथा या अफसाना भी शामिल है। बीए (ऑनर्स) का पाठ्यक्रम। उर्दू उर्दू भाषा और साहित्य और मिश्रित संस्कृति के तीन प्रमुख घटक प्रदान करती है, जिसमें गंगा जमुना तहजीब, हमारी धर्मनिरपेक्ष विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल है। इनके साथ, एक छात्र एक जिम्मेदार नागरिक बन जाता है और दक्षिण एशियाई अध्ययनों में इस भाषा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित होता है, जो विश्व स्तर पर कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में तेजी से बढ़ता हुआ शिक्षण बनता जा रहा है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए:संयोजन I: सूची A से उर्दू + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 से कोई एक विषय. या
संयोजन II: सची A से कोर्ड एक भाषा + सची B1 से कोर्ड भी दो विषय + सची B1 या सची B2

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

इस विषय के माध्यम से, छात्रों को एक शिष्य के रूप में मनोविज्ञान के ऐतिहासिक प्रभावों को समझने और सीखने का अवसर मिलता है। पाठ्यक्रम विषय वस्तु में तेजी से विकसित परिवर्तनों को संबोधित करता है। मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र मनोविज्ञान में ज्ञान, अनुप्रयोग और अनुसंधान संभावनाओं में प्रगति के प्रति संवेदनशील हैं। मनोविज्ञान में स्नातक शोध बायोसाइकोलॉजी, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान का इतिहास, अनुसंधान विधियों, सामाजिक मनोविज्ञान, औद्योगिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य सहित अनुशासन के विभिन्न क्षेत्रों को छूता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 से कोई भी दो विषय + सूची बी 1 या सूची बी 2 से कोई एक विषय.

मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र अनुशासन में उन्नत सोच के लिए एक कठोर आधार प्रदान करता है। यह छात्र को घरों, फर्मों और सरकारी संस्थानों के व्यवहार और बातचीत की अवधारणा और व्याख्या के लिए एक तार्किक प्रतिमान प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को समकालीन प्रासंगिकता वाले पाठ्यक्रमों के एक सेट से वैकल्पिक पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति देता है, जिससे छात्रों को शिक्षा, कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता, सरकार और कई अन्य क्षेत्रों में करियर तैयार करने के लिए लचीलापन मिलता है। कार्यक्रम अर्थशास्त्र अनुशासन में वैश्विक मानकों के अनुरूप है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में एक स्नातक छात्र की तुलना में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: सूची **A** + गणित / एप्लाइड गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची **B1** से होना चाहिए
मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास

इस तरह पाठ्यक्रम में कल्याण, भावनात्मक स्थिरता, महत्वपूर्ण सोच, सामाजिक न्याय, और रोजगार कौशल के रूप में स्नातक विशेषताओं को विकसित करने के लिए प्रदान करता है। बीए (ऑनर्स) इतिहास छात्रों को एक शैक्षणिक रूप में आयोजित क्षेत्र में हाल के इतिहासलेखन तक पहुंच प्रदान करता है जो सुलभ और दिलचस्प है। यह एक अंतःविषय कार्यक्रम में छात्रों के लिए संरचित है, उन्हें इतिहास के अनुशासन के लिए एक संक्षिप्त और गहन परिचय प्रदान करता है और उस आत्मीय अनुशासन के प्रति संवेदनशील रहता है जिसका वे अध्ययन भी कर रहे हैं। यह मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विषयों के साथ प्रतिच्छेदन के कई बिंदु प्रदान करना चाहता है ताकि संचार मोड खोले जा सकें जिसके द्वारा एक ऐतिहासिक संवेदनशीलता एक समृद्ध अनुभव हो सकती है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: सूची **A** से कोई एक भाषा + सूची **B1** से कोई भी दो विषय + सूची **B1** या सूची **B2**. मेरिट से कोई भी एक विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगा।

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र पाठ्यक्रम सबसे चुनौतीपूर्ण विषयों में से एक में गहराई से देखने और प्रदान करने का एक प्रयास है जिसका कोई अध्ययन कर सकता है। यह छात्र को महान दार्शनिकों और उनके विचारों से परिचित कराता है और उनके सिद्धांतों के लेंस के माध्यम से समकालीन समस्याओं के बारे में कैसे सोचता है। यह भारतीय और पश्चिमी दर्शन का व्यापक स्वीप देता है और छात्रों को नैतिकता में विचार की मुख्य धाराओं से अवगत कराता है। छात्र कई अन्य कोर और वैकल्पिक पत्रों के बीच विज्ञान, तर्क, नारीवाद और जैव-नैतिकता के दर्शन का भी पता लगाते हैं। मूल विचार छात्रों को हमारे आसपास की दुनिया से संबंधित मूलभूत मुद्दों से अवगत कराना है, चाहे हमारे जीवन में, या मन और पदार्थ, या अस्तित्व, या विश्वास, या धर्म या विज्ञान के बारे में।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2. मेरिट से कोई भी एक विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगा।

बी.ए.(ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को राजनीति के सवालों के तरीके से अवगत कराना और समाज में अस्तित्व पर गंभीर रूप से सवाल उठाना है। विभिन्न परंपराओं के दार्शनिकों को पेश करके, छात्र कुछ मौलिक राजनीतिक सवालों के जवाब दे सकते हैं जैसे कि हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं? सरकार का 'सर्वश्रेष्ठ' रूप क्या है? मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है? हमें कैसे और किन हालात में बुरे शासकों का सामना करना चाहिए? पाठ्यक्रम के अंत तक, छात्र आधुनिकता के विचार को समझ सकते हैं और आधुनिकता और इसके निर्धारित राजनीतिक सुझावों के माध्यम से उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच संबंध स्थापित कर सकते हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 . मेरिट से कोई भी एक विषय विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगा।

बी.एससी.(ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान

बी.एससी(ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पौधों का समग्र रूप से अध्ययन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करता है। छात्रों को महत्वपूर्ण अंतःविषय घटकों के साथ कोर और वैकल्पिक कागजात का एक अनूठा संयोजन का उपयोग करके पादप जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। छात्रों को वर्तमान में पौधों के जीवन रूपों, उनके विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर अन्य जीवों के साथ बातचीत के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। छात्र पौधों के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए उनकी प्रासंगिकता के बारे में भी जागरूक हो जाएंगे।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन

मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को **CUET** में लिस्ट **A** की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी.(ऑनर्स) रसायन शास्त्र

बीएससी (ऑनर्स। रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम अकार्बनिक, कार्बनिक, भौतिक, सामग्री और विश्लेषणात्मक में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को ध्वनि सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ प्रशिक्षित करेंगे जो शिक्षाविदों और उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप है। कार्यक्रम रसायन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में कैरियर जैसे अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त कौशल भी प्रदान करता है। यह कार्यक्रम देश के सबसे बड़े और सबसे पुराने विभागों में से एक द्वारा समाज की मांगों को पूरा करने के लिए सबसे अच्छे दिमाग का उत्पादन करने के लिए पेश किया जाता है। बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान छात्रों को उन लक्ष्यों के बारे में एक सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा जो वे आगे की शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित / एप्लाइड गणित मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को **CUET** में लिस्ट **A** की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी.(ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

हाल के वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान ने नई प्रौद्योगिकियों, नए विचारों और सिद्धांतों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। बीएससी(ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान पाठ्यक्रम उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए मौलिक समझने के लिए स्नातक से नीचे एक पूरा पैकेज प्रदान करता है।वे उद्योग 4.0 मानकों के साथ संगत एक व्यापक कौशल सेट के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स बुनियादी बातों से खुद को लैस कर सकते हैं। संपूर्ण पाठ्यक्रम उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने और नौकरी के बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करेगा। कार्यक्रम में एम्बेडेड सिस्टम, उन्नत कंप्यूटर और डेटा संचार, रोबोटिक्स, नियंत्रण प्रणाली, वीएलएसआई डिजाइन और निर्माण, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और अन्य शामिल हैं.

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: संयोजन **I:** भौतिकी + गणित / एप्लाइड गणित + रसायन विज्ञान

OR

संयोजन **II:** भौतिकी + गणित / एप्लाइड गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ **CUET** स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को **CUET** में लिस्ट **A** की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी.(ऑनर्स) गणितशास्त्र

बीएससी (ऑनर्स) गणित पाठ्यक्रम का उद्देश्य गंभीर, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इसलिए रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री का पीछा करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यवसाय क्षेत्र और उद्योग में कई गणित करियर की तैयारी में कई रोचक और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बीएससी (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम शास्त्रीय कैलकुलस से आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला को कवर करता है। कार्यक्रम गणित के लिए विशेष रूप से कैलकुलस, रियल एंड कॉम्प्लेक्स विश्लेषण, सार बीजगणित, अंतर समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और सी ++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव देता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: सूची **A +** गणित/अनुप्रयुक्त गणित से कोई एक भाषा + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची **B1** से होना चाहिए, मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी (ऑनर्स) जूलॉजी

इस कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों को विभिन्न मानव प्रणालियों, उनके समन्वय और नियंत्रण के बारे में जानने और जानने के लिए अधिक सुसज्जित किया जाएगा। जूलॉजी डिग्री प्रोग्राम शास्त्रीय आनुवंशिकी को समझने के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि आबादी, उनकी विरासत, जातीयता के बीच अन्य लक्षणों के वितरण को समझा जा सके और समकालीन और आधुनिक तकनीकों जैसे जीनोमिक्स, मेटागेनोमिक्स, जीनोम संपादन और आणविक नैदानिक उपकरण के साथ सहसंबंधित हो। इस कार्यक्रम के व्यावहारिक और सैद्धांतिक कौशल सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में मदद करेंगे। कार्यक्रम को रोजगार कौशल के विकास को सुनिश्चित करने के लिए लागू विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि छात्र करियर बना सकें और जलीय जीव विज्ञान, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि के विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमी बन सकें। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र वन्यजीव संरक्षण, पशु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में नीति निर्माताओं के रूप में योगदान कर सकते हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी।
उम्मीदवारों को **CUET** में सूची **A** की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करने चाहिए

बीएससी (प्रोग.) जीवन विज्ञान

यह पाठ्यक्रम छात्रों को जैविक विज्ञान के संबद्ध विषयों के साथ-साथ अनुशासनात्मक विषयों के व्यापक ज्ञान प्राप्त करने की पेशकश करेगा, जो छात्रों को दुनिया में मौजूद जीवन प्रक्रियाओं की विविधता के साथ-साथ उनके विकासवादी पहलुओं को समझने और सराहना करने में मदद करेगा। इसके अलावा, कार्यक्रम अनुसंधान उपकरण और कम्प्यूटेशनल टूल जैसे जीनोमिक्स, मेटा जेनेटिक्स को संभालने और सामाजिक कल्याण के लिए समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में ज्ञान प्राप्त करने के लिए कौशल विकसित करेगा।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना चाहिए: रसायन विज्ञान + भौतिकी + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन मेरिट विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को **CUET** में लिस्ट **A** की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी (प्रो.) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एसआई इकाइयों, एकाग्रता शर्तों, विभिन्न विश्लेषणात्मक तरीकों, रासायनिक विश्लेषण में त्रुटियों के प्रकार, डेटा के सांख्यिकीय परीक्षण और रसायनों और उनके अपशिष्टों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त **CUET** स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम **30%** अंक प्राप्त करना होगा।

बी.कॉम. (ऑनर्स)

दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.कॉम. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम को व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने के लिए ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को प्राप्त करने के लिए छात्रों को सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की हवाओं और सतत विकास के एक सख्त आवश्यक परिप्रेक्ष्य के सामने मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए तैयार करने और उन्हें कल की चुनौती का सामना करने और सामना करने के लिए तैयार करने के लिए वैचारिक समझ पैदा करना है। यह छात्रों को विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित प्रासंगिक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया में भी उजागर करता है। जैसा कि भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है, यह पाठ्यक्रम एक उद्यमी मानसिकता और कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना होगा:
संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी**1** से होना चाहिए
या
संयोजन **II:** सूची ए से कोई एक भाषा + अकाउंटेंसी/बुककीपिंग + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी**1** से होना चाहिए

बी.कॉम.

वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। समय के साथ दोनों के बीच बातचीत की प्रकृति और उद्देश्य में जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने व्यवसाय के आकार और डिजाइन को फिर से तैयार किया है, जिससे इसकी प्रकृति और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स में बदलाव आया है। इस परिवर्तन के निहितार्थ को पहचानते हुए, बी.कॉम. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में व्यवसाय जगत की कार्यप्रणाली और परिसर की समझ पैदा करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, पाठ्यक्रम छात्रों को संगठनात्मक कार्य, वित्तीय प्रणाली, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानूनों, व्यवसायों द्वारा समाज तक पहुंचने के लिए अपनाई गई रणनीतियों आदि के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को रोजगार चाहने वालों के रूप में नहीं बल्कि एक उद्यमी और नौकरी सृजक के रूप में समाज की सेवा करने के लिए खुद को तलाशने, प्रयोग करने और लैस करने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना होगा:
संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय
या
संयोजन **II:** सूची **A** में से कोई एक भाषा + सूची **B1** या सूची **B2** में से कोई एक विषय + **CUET** का खंड **III** (सामान्य परीक्षण)

बी. ए. (प्रो.)

बी.ए (पाठ्यक्रम) छात्रों को उनकी विशेषज्ञता के विषयों में स्नातक करने के लिए आकर्षित करने के लिए विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कॉलेज बीए (कार्यक्रम) संयोजनों की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं, जिसमें से एक छात्र उन विषयों का चयन कर सकता है जिनमें वह अपनी आगे की पढ़ाई करना पसंद कर सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय करीब 190 बी.ए (प्रोग्राम) संयोजन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न विषयों का समामेलन होता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में **CUET** में उपस्थित होना होगा:
संयोजन **I:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय
या
संयोजन **II:** सूची **A** में से कोई एक भाषा + सूची **B1** या सूची **B2** में से कोई एक विषय + **CUET** का खंड **III** (सामान्य परीक्षण)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2024-25

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (यूजी - मेरिट आधारित)	प्रस्तावित सीटों की संख्या					
	कुल सीटें	अनारक्षित	अनु. जाति	अनु.जनजाति	ओ.बी.सी.	ईडब्ल्यूएस
बी.ए. प्रोग्राम	**385**	155	58	29	104	39
बी.ए.(ऑनर्स) अरबी	**29**	12	4	2	8	3
बीए (ऑनर्स) बंगाली	**29**	12	4	2	8	3
बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	**49**	19	7	4	13	6
बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	**58**	24	9	4	16	5
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	**49**	19	7	4	13	6
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	**49**	19	7	4	13	6
बी.ए. (ऑनर्स) फारसी	**29**	12	4	2	8	3
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	**39**	16	6	3	11	3
बी.ए.(ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	**135**	54	21	11	37	12
बी.ए.(ऑनर्स) मनोविज्ञान	**58**	24	9	4	15	6
बी.ए.(ऑनर्स) संस्कृत	**29**	12	4	2	8	3
बी.ए.(ऑनर्स) उर्दू	**49**	19	7	4	13	6
बी.कॉम.	**115**	47	17	9	31	11
बी.कॉम.ऑनर्स	**211**	85	32	16	57	21
बी.एससी.जीवन विज्ञान	**86**	35	13	6	23	9
बी.एससी. भौतिक विज्ञान	**86**	35	13	6	23	9
बी.एससी.(ऑनर्स)वनस्पति विज्ञान	**42**	17	6	3	11	5
बी.एससी.(ऑनर्स)रसायन विज्ञान	**86**	35	13	6	23	9
बी.एससी.(ऑनर्स)इलेक्ट्रॉनिक्स	**39**	16	6	3	11	3
बी.एससी.(ऑनर्स) गणित	**96**	39	15	7	26	9
बी.एससी.(ऑनर्स) जंतु विज्ञान	**49**	19	7	4	13	6
कुल सीटें	**1797**	**725**	**269**	**135**	**485**	**183**

प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2024-25

बीए(प्रोग्राम)के लिए अनुशासन संयोजन	प्रस्तावित सीटों की संख्या					
	कुल सीटें	अनारक्षित	ओबीसी	अनु. जाति	अनु.जनजाति	ईडब्ल्यूएस
अरबी भाषा और अर्थशास्त्र	**9**	3	3	1	1	1
अरबी भाषा और इतिहास	**11**	4	3	2	1	1
अरबी भाषा और राजनीति विज्ञान	**13**	5	4	2	1	1
बंगला भाषा और अर्थशास्त्र	**4**	1	1	1	0	1
बंगला भाषा और इतिहास	**6**	2	2	1	0	1
बंगला भाषा राजनीति विज्ञान	**6**	2	2	1	0	1
अर्थशास्त्र और एचआरएम	**30**	12	8	4	2	4
अर्थशास्त्र और गणितशास्त्र	**9**	2	2	1	1	3
अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान	**21**	8	6	3	1	3
अँग्रेजी भाषा और अर्थशास्त्र	**9**	3	2	1	1	2
अँग्रेजी भाषा और इतिहास	**11**	4	3	2	1	1
अँग्रेजी भाषा और गणितशास्त्र	**4**	1	1	1	0	1
अँग्रेजी भाषा और राजनीति विज्ञान	**12**	5	3	2	1	1
हिन्दी भाषा और अर्थशास्त्र	**9**	4	2	1	1	1
हिन्दी भाषा और इतिहास	**11**	5	3	2	1	0
हिन्दी भाषा और राजनीति विज्ञान	**13**	6	3	2	1	1
इतिहास और दर्शनशास्त्र	**16**	6	4	2	1	3
इतिहास और राजनीति विज्ञान	**56**	23	15	8	4	6
एचआरएम और मनोविज्ञान	**11**	5	3	2	1	0
गणित और दर्शन शास्त्र	**4**	1	1	1	0	1
गणित और मनोविज्ञान	**6**	3	2	1	0	0
फ़ारसी भाषा और अर्थशास्त्र	**9**	4	3	1	1	0
फ़ारसी भाषा और इतिहास	**11**	5	3	2	1	0
फ़ारसी भाषा और राजनीतिक विज्ञान	**12**	6	3	2	1	0
दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान	**16**	6	4	2	1	3
संस्कृत और अर्थशास्त्र	**9**	4	2	1	1	1
संस्कृत और इतिहास	**11**	5	3	2	1	0
संस्कृत और राजनीति विज्ञान	**13**	6	4	2	1	0
उर्दू और अर्थशास्त्र	**9**	4	2	1	1	1
उर्दू और इतिहास	**11**	5	3	2	1	0
उर्दू और राजनीति विज्ञान	**13**	6	4	2	1	0
कुल सीटें	**385**	**156**	**104**	**58**	**29**	**38**

कोर्स-वाइज फीस	
स्नातक पाठ्यक्रम 2024-2025 के लिए शुल्क की अनुसूची	
प्रथम वर्ष	कुल प्रवेश शुल्क
बी.ए. (कार्यक्रम))	13915.00
बी. कॉम (कार्यक्रम)	13915.00
बी.कॉम (ऑनर्स)	14815.00
बी.ए. (ऑनर्स) अरबी	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) बांग्ला	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) फ़ारसी	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	16815.00
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	13915.00
बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू	13915.00
बी.एससी भौतिक विज्ञान	16851.00
बी.एससी जीवन विज्ञान	16851.00
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी	17601.00
बी.एससी (ऑनर्स) रसायन शास्त्र	17351.00
बी.एससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	17651.00
बी.एससी (ऑनर्स) गणितशास्त्र	17351.00

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 2024-2025 के लिए शुल्क की अनुसूची	
प्रथम वर्ष	कुल प्रवेश शुल्क
एम.ए. अरबी	14484.00
एम.कॉम.	14484.00
एम.ए. अंग्रेजी	14484.00
एम.ए. हिंदी	14484.00
एम.ए. इतिहास	14484.00
एम.ए. दर्शनशास्त्र	14484.00
एम.ए. राजनीति विज्ञान	14484.00
एम.ए. भौतिकी	14484.00
एम.ए. संस्कृत	14484.00
एम.ए. फारसी	14484.00
एम.ए. उर्दू	14484.00
एम.एससी गणित	14545.00
एम.एससी रसायन विज्ञान	14545.00
एम.एससी वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी	14545.00

प्रवेश 2024-25

प्रवेश समिति

डॉ. शर्मिष्ठा सेन (संयोजिका)	9899407868	sharmisthasenn@yahoo.co.in

सभी विभागों के शिक्षक-प्रभारी (टीआईसी) (सदस्य)
डॉ. शिवानी अबरोल (खेल प्रवेश) (सदस्य)
डॉ निधि धवन (ईसीए प्रवेश) (सदस्य)
डॉ. एल. बिधानचंद्र सिंह (संयोजक, बी.ए.)

नोडल अधिकारी

मंजीत सिंह बरवा	9999641960	manjeet.barwa@zh.du.ac.in

संयोजक: हेल्प डेस्क

डॉ सूफिया	9810990638	sufiya@zh.du.ac.in
डॉ. रागेश पी.आर.	9971928970	rageshpr@gmail.com

समर्थकारी समितियाँ

पीडब्ल्यूडी श्रेणी के लिए:

सुश्री चीनू मदान	9599678078	madan.chinu@gmail.com
डॉ. रंजीत कुमार निराला	9310275384	ranjeetsingh2802@gmail.com
डॉ. अंकुश	8813813364	ankushrao540@gmail.com

एसटी श्रेणी के लिए:

सुश्री ममता बाई	8882527225	mamtam763@zh.du.ac.in
श्री हितेश कुमार	9460689761	hiteshmeena00155@gmail.com
श्री दशरथ मीणा	8447073796	meenadasharth@gmail.com
सुश्री वेलेंटिना ब्रह्मा	8800260876	vbrahma428@gmail.com
डॉ. लक्ष्मी बसुमतारी	8130833548	irbasumatary@gmail.com
डॉ. ग्रेस लालखवंगई	8575552173	grace.lralte@gmail.com
श्री सुनील कुमार (काम)	7807181063	suneel042@gmail.com
डॉ. मनीष कुमार (कॉम)	8467889090	mk.9006@gmail.com

एससी श्रेणी के लिए:

डॉ. मुकेश कुमार	8447849284	mknanocomposites@gmail.com
सुश्री वाणी कनौजिया	9871035652	vani.kanojia@zh.du.ac.in
डॉ. अंजू	9717456103	dahiyarinku1@gmail.com
श्री जय कुमार	9910762702	jaikumardu004@gmail.com
सुश्री बनानी	9958417287	shehzadi.online7@gmail.com
श्री इतेन्द्र कुमार	9718150212	kumaritendra@gmail.com

डॉ. राज कुमार	8079035235	rajsantoshmaths@gmail.com
डॉ. परवीन गिल	9729476103	parveengill35@gmail.com
डॉ. मनोहर लाल	9501964418	manohar.chem@gmail.com

ओबीसी श्रेणी के लिए:

डॉ. एम. सलीम जावेद	9811897218	msjavedzhc@gmail.com
डॉ. सतीश गंटा	9350544061	satishganta2001@yahoo.co.in
डॉ. मो. कासिम	8826437397	qasim4arabic@gmail.com
सुश्री दीक्षा यादव	9873723808	ripplesandstone@gmail.com
डॉ. विपिन कुमार	9017455425	vipinbataar6768@gmail.com
श्री नितेश धीमान	9910089886	niteshdhiman91@gmail.com
डॉ. गीतांजलि यादव	9996115244	geetanjalimdu@gmail.com
सुश्री बॉबी सोरोखैबम	9899151025	bobby.oam@gmail.com
डॉ. राम विलास मौर्या	9953143675	mauryaramvilas@gmail.com

ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए:

डॉ. अरविन्द कुमार राजपूत	9810291539	drarvind1539@gmail.com
डॉ. संचिता शर्मा	9999698894	sanchitasharam88@gmail.com
श्री अशोक शर्मा	9782338525	sharmaashok.co@gmail.com
श्री बिजय शंकर झा	9999078809	bijaygunjan@gmail.com

शिकायत निवारण समिति:

डॉ. शिवानी अबरोल (संयोजक)	9910162139	shivani.abrol@zh.du.ac.in
डॉ. शर्मिष्ठा सेन	9899407868	sharmisthasenn@yahoo.co.in
डॉ. शारदा वर्मा	9871124747	shardazhc@gmail.com
डॉ. धीरज कुमार सिंह	9868322749	dksingh@zh.du.ac.in
डॉ. श्योदान सिंह	9310647760	shyodan.singh@gmail.com
डॉ. दीपक कालिया	8810625349	dsharma.kalia@gmail.com
डॉ. सतीश गंटा	9350544061	satishganta2001@yahoo.co.in
डॉ. डी. चाओ	9810861530	daihocr@yahoo.co.in
डॉ. रागेश पी .आर .	9971928970	rageshpr@gmail.com
डॉ. मनोहर लाल	9501964418	manohar.chem@gmail.com
डॉ. रूबी बंसल	9953293299	rubybansal02@gmail.com

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

मिर्ज़ा महमूद बेग मेमोरियल स्कॉलरशिप

1400 रुपये के मूल्य की तीन छात्रवृत्तियां प्रतिवर्ष उन स्नातक छात्रों को प्रदान की जाती हैं जो विश्वविद्यालय की अंतिम वर्ष की परीक्षा में कॉलेज में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं:

(1) मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्ट्रीम जिसमें मनोविज्ञान शामिल है लेकिन गणित को छोड़कर.

(2) गणित में बीए और B.Sc (ऑनर्स) पाठ्यक्रम सहित विज्ञान स्ट्रीम.

(3) कॉमर्स स्ट्रीम.

श्री नारायण निगम मेमोरियल स्कॉलरशिप

द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में कॉलेज में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए तीन छात्रवृत्तियां हैं,

(1) रु. 700 एक दृष्टिबाधित छात्र के लिए

(2) मनोविज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम सहित मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्ट्रीम के लिए 1100 रुपये लेकिन बीए (ऑनर्स) को छोड़कर। गणितशास्त्र

(3) गणित में बीए / बीएससी (ऑनर्स) सहित विज्ञान स्ट्रीम के लिए 1100 रुपये

वेद कुमार गुप्ता मेमोरियल स्कॉलरशिप

बीए (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में कॉलेज में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 1100 रुपये मूल्य की एक छात्रवृत्ति। राजनीति विज्ञान में विश्वविद्यालय की परीक्षा।

कुमार शुभम मेमोरियल स्कॉलरशिप

द्वितीय वर्ष के छात्रों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए चार छात्रवृत्तियां जो निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं:

(1) बीए (ऑनर्स) में एक छात्र के लिए 700 रुपये मनोविज्ञान

(2) मनोविज्ञान और बीए (ऑनर्स) को छोड़कर मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्ट्रीम में एक छात्र के लिए 350 रुपये। गणितशास्त्र

(3) बीएससी (ऑनर्स) गणित में पाठ्यक्रम सहित विज्ञान स्ट्रीम में एक छात्र के लिए 350 रुपये.

(4) वाणिज्य छात्र के लिए 350 रुपये

अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति

दिल्ली विश्वविद्यालय तीन साल के लिए 250 रुपये प्रति माह मूल्य की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए अक्टूबर के महीने में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है। बैचलर विद ऑनर्स कोर्स में प्रवेश लेने वाले प्रथम वर्ष के छात्र इस परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकते हैं। वे 1 अगस्त के बाद किसी भी कार्य दिवस में सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच परीक्षा शाखा VII, दिल्ली विश्वविद्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

श्रीमती हरजिंदर ग्रोवर मेमोरियल अवार्ड

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा वनस्पति विज्ञान सेमेस्टर चतुर्थ एवं B.Sc जीवन विज्ञान सेमेस्टर चतुर्थ में B.Sc (ऑनर्स) में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 500 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार राशि "हरजिंदर ग्रोवर एंडोमेंट फंड" द्वारा वित्त पोषित की जाती है, जिसे स्वर्गीय डॉ (श्रीमती) हरजिंदर ग्रोवर की स्मृति में स्थापित किया गया था जो लंबे समय तक विभाग के संकाय में रहे।

शोभा और रवींद्र नाथ कौल मेमोरियल पुरस्कार

2021 में वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रत्नम कौल वट्टल द्वारा उनके माता-पिता की याद में एक स्मारक पुरस्कार स्थापित किया गया था। प्रारंभिक राशि पर उत्पन्न ब्याज में से प्रत्येक को बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान और बीएससी जीवन विज्ञान के तीसरे वर्ष के टॉपर को हर साल 2500 रुपये की राशि दी जाती है, नकद पुरस्कार, एक प्रमाण पत्र के साथ है।

एस.पी. सूरी मेमोरियल अवार्ड

रसायन विज्ञान विभाग हर साल कॉलेज में रसायन विज्ञान I, II और III वर्ष में B.Sc (ऑनर्स) में प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्रों को एक पदक, किताबें और प्रमाण पत्र प्रदान करता है। यह पुरस्कार स्वर्गीय श्री एस.पी.सूरी की स्मृति में स्थापित किया गया है जिन्होंने कॉलेज में रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना की और 1987 तक इसके संकाय में रहे।

एम.के. गुप्ता प्रवीणता पुरस्कार

रसायन विज्ञान विभाग B.Sc (ऑनर्स) के छात्रों को प्रवीणता पुरस्कार भी प्रदान करता है। रसायन विज्ञान I, II, & III वर्ष जो कॉलेज में I, II और III स्थान सुरक्षित करते हैं। यह पुरस्कार स्वर्गीय डॉ एम के गुप्ता द्वारा स्थापित किया गया है जो रसायन विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर थे।

गोपा डे मेमोरियल अवार्ड

बंगाली विभाग ने बंगाली द्वितीय और तृतीय वर्ष में बीए (ऑनर्स) के छात्रों के लिए 1500 रुपये, 1000 रुपये और 500 रुपये का गोपा डे मेमोरियल अवार्ड शुरू किया है, जो कॉलेज में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करते हैं। विभाग बंगाली द्वितीय/तृतीय वर्ष में बीए (ऑनर्स) के छात्र को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए 1000 रुपये का पुरस्कार भी देगा।

विद्या देवी एजुकेशन फंड

श्री अशोक कुमार शर्मा, वाणिज्य विभाग द्वारा अपनी माता के नाम पर समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित कॉलेज के छात्रों के लाभ के लिए वर्ष 2015 में 5,51,000 / उपरोक्त निधि से अर्जित ब्याज का 60% का उपयोग तीसरे सेमेस्टर के लिए वाणिज्य के छात्रों के प्रवेश शुल्क के भुगतान के लिए किया जाएगा और ब्याज का 40% किसी भी विषय से छात्रों के लिए पुस्तकों की खरीद के भुगतान के लिए उपयोग किया जाएगा।

शुल्क रियायत

कॉलेज जरूरतमंद मेधावी छात्रों को शुल्क में छूट प्रदान करता है। कृपया अगस्त महीने में आवेदन आमंत्रित करने की घोषणा के लिए कार्यालय नोटिस बोर्ड/कॉलेज वेबसाइट पर नोटिस देख सकते हैं । सभी एससी/एसटी, ओबीसी, पीडब्ल्यूडी आदि वर्ग के छात्रों को प्रत्येक वर्ष फरवरी तक के शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करने चाहिए। प्रवेश के समय कोई शुल्क रियायत उपलब्ध नहीं है। सभी विद्यार्थी पूरी फीस जमा करें।

कर्मचारी संघ छात्र कल्याण कोष

यह निधि दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों को योग्यता-सह-आवश्यकता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

*** किसी भी छात्र को एक शैक्षणिक सत्र में दो छात्रवृत्तियां प्रदान नहीं की जाएंगी। ओवरलैपिंग के मामले में, पुरस्कार समिति का निर्णय अंतिम होगा.**

नियम और विनियम

छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां प्रिंसिपल में निहित हैं।

2. प्रधानाचार्य अनुशासन समिति और ऐसे अन्य व्यक्तियों को जो वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकते हैं, सभी या ऐसी शक्तियों को सौंप सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझे।

3. अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित घोर अनुशासनहीनता के कार्य होंगे:

i. कॉलेज के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी
ii. किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना
iii. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन
iv. अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन
v. कोई भी अभ्यास-चाहे मौखिक या अन्यथा-महिलाओं का अपमानजनक
vi. रिश्वत देने का कोई प्रयास या किसी भी तरह से भ्रष्टाचार
vii. संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश
viii. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना
ix. कॉलेज और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कामकाज के किसी भी तरीके में व्यवधान पैदा करना
x. रैगिंग

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, प्रधानाचार्य पूर्वोक्त आदेश के अनुसार अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए या निर्देश दे सकता है कि कोई छात्र या छात्र-

- निष्कासित किया जाए; नहीं तो
- हो, एक निर्दिष्ट अवधि के लिए जंग खाई; नहीं तो
  एक निर्दिष्ट अवधि के लिए नहीं, एक कॉलेज में एक कार्यक्रम या अध्ययन के कार्यक्रमों में भर्ती कराया गया, विश्वविद्यालय का विभाग या संस्थान; नहीं तो
- निर्दिष्ट की जा सकने वाली रुपये की राशि के साथ जुर्माना लगाया जा सकता है; नहीं तो
- एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज परीक्षा या परीक्षा लेने से वंचित किया जाए; नहीं तो
- कि परीक्षा या परीक्षाओं में संबंधित छात्र या छात्रों का परिणाम रद्द कर दिया जाए जिसमें वह या वे उपस्थित हुए हैं।

5. इन नियमों को कॉलेज के प्रिंसिपल द्वारा, जहां आवश्यक हो, पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से इन नियमों की एक प्रति स्वयं को प्रदान करने की अपेक्षा की जाएगी। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह प्रिंसिपल और कॉलेज प्रशासन के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र में खुद को प्रस्तुत करता है।

रैगिंग विरोधी

रैगिंग का अर्थ है कोई भी कार्य, आचरण या अभ्यास जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है। इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएं शामिल हैं जो,

क) शारीरिक हमला या धमकी, और/या शारीरिक बल का उपयोग शामिल है,

(ख) महिला छात्रों और अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करेगा,

ग) छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करें और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करें;

घ) मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं। कॉलेज परिसर अथवा दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी अन्य भाग के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन दोनों में रैगिंग के किसी भी रूप में सख्त मनाही है। रैगिंग से संबंधित सभी मामलों में दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशों, इसके अधिनियमों, अध्यादेशों और भारत के उच्चतम न्यायालय के संबंधित आदेश के मार्गदर्शन का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

रैगिंग का कोई भी व्यक्ति या सामूहिक कृत्य या प्रथा घोर अनुशासनहीनता है और विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-C के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

यदि कोई छात्र (छात्रों), जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्रियां प्राप्त की हैं, इस अध्यादेश के तहत रैगिंग का कार्य करते हुए पाए जाते हैं तो उन्हें अध्यादेश XV के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री वापस लेने के लिए उपयुक्त कार्रवाई की जा सकती है। अध्यादेश XV के प्रयोजन के लिए रैगिंग को बढ़ावा देना भी रैगिंग के समान होगा।

कॉलेज ने रैगिंग से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए एक रैगिंग-रोधी समिति का गठन किया है।

धूम्रपान विरोधी

दिल्ली पुलिस और वर्ल्ड लंग फाउंडेशन - दक्षिण एशिया के साथ साझेदारी में दिल्ली विश्वविद्यालय की धूम्रपान विरोधी पहल के अनुसार कॉलेज में धूम्रपान पर प्रतिबंध है।

पहचान-पत्र

कॉलेज के सभी छात्रों को पहचान पत्र जारी किए जाते हैं। छात्रों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके द्वारा भरे गए पहचान पत्र में विवरण सही हैं। कॉलेज के किसी भी प्राधिकरण द्वारा मांग किए जाने पर उन्हें पहचान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। पहचान पत्र को हर साल नवीनीकृत करने की आवश्यकता होती है। नया पहचान पत्र केवल पहले कार्ड जमा करने पर जारी किया जाता है।

कॉलेज प्रशासन

प्राचार्य: प्रो नरेंद्र सिंह

बरसर: प्रोफेसर मुकेश कुमार जैन

कार्यालय कर्मचारी

श्री जफर कमाल (प्रशासनिक अधिकारी)
श्री अयाज़ अहमद (अनुभाग अधिकारी प्रशासन)
श्री शहजाद अहमद (वरिष्ठ सहायक)
श्री मोहम्मद अली खान। जावेद आसिफ (वरिष्ठ सहायक)
श्री सुमित कुमार (वरिष्ठ सहायक)
श्री इकरामुद्दीन (सहायक)
श्री मोहम्मद आसिफ आलम (सहायक)
श्री एम. निजाम अशरफ (सहायक)
श्री इरशाद आलम (सहायक)
श्री मोहम्मद अली खान। आजम (सहायक)

वरिष्ठ पुस्तकालय कर्मचारी

डॉ. इमरान खान (लाइब्रेरियन)
श्री नसीम रजा (प्रो सहायक)
श्री बृजभूषण (एसपीए)
श्री मो. ज़ाहिद (एसपीए)

वरिष्ठ प्रयोगशाला कर्मचारी

वनस्पति-शास्त्र
श्री त्रिलोकी नाथ (प्रयोगशाला सहायक)
श्री मोहम्मद इब्राहिम (प्रयोगशाला सहायक)
श्री शकील खान (प्रयोगशाला सहायक)
श्री रज्जाक मो. (प्रयोगशाला सहायक)
श्री शमीम (प्रयोगशाला सहायक)

रसायन शास्त्र

श्री अनस तसलीम (प्रयोगशाला सहायक)
श्री इरफानुद्दीन (प्रयोगशाला सहायक)
श्री अयाज अहमद (प्रयोगशाला सहायक)
श्री भगवती प्रसाद (प्रयोगशाला सहायक)
श्री मोहम्मद सलीम (प्रयोगशाला सहायक)
श्री जनार्दन (प्रयोगशाला सहायक)
श्री अमित कुमार (प्रयोगशाला सहायक)
श्री पंकज (प्रयोगशाला सहायक)

मनोविज्ञान

श्री बीरबल (प्रयोगशाला सहायक)भौतिकी और

इलेक्ट्रॉनिक्स

श्री मोहम्मद याकूब (प्रयोगशाला सहायक)
श्री कामेश कुमार (प्रयोगशाला सहायक.)
श्री जावेद अली (प्रयोगशाला सहायक.)
श्री मो.यामीन खान (प्रयोगशाला सहायक)
श्री रोजुद्दीन (प्रयोगशाला सहायक)
श्री पप्पू सेन ठाकुर (प्रयोगशाला सहायक)
श्री गिरीश यादव (प्रयोगशाला सहायक)
श्री अजय सिंह (प्रयोगशाला सहायक)
श्री भूपिंदर पाल सिंह (प्रयोगशाला सहायक)

प्राणीविज्ञान

श्री बृजेंद्र पाल सिंह (प्रयोगशाला सहायक)
श्री अहताशम (प्रयोगशाला सहायक)
श्री लवकेश जेडिया (प्रयोगशाला सहायक)
श्री मोहम्मद सईद (प्रयोगशाला सहायक)
श्री कुणाल सिंह (प्रयोगशाला सहायक)
श्री सुहैल अहमद (प्रयोगशाला सहाय)

यूजीसीएफ-2022

अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क-2022 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित उच्च शिक्षा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, दार्शनिक आधार और समकालीन वास्तविकताओं को रेखांकित करता है और उच्च शिक्षा की स्थिति के लिए आगे का रास्ता तैयार करते हुए इन आधारों को सिंक्रनाइज़ करने का प्रयास करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा में शिक्षण, सीखने और अनुसंधान का एक प्रमुख सेट, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित है, ने राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान की प्रक्रिया में, अपने सच्चे अर्थों में, शिक्षा के हर क्षेत्र में शिखर तक पहुंचने की खोज को पोषित किया है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, उच्च शिक्षा के विस्तार के माध्यम से मानव संसाधन विकास के क्षितिज का विस्तार करने में पथप्रदर्शक के रूप में कार्य करने के लिए अधिदेशित, इसने वर्षों से अपने स्नातक पाठ्यक्रम विकास में एक नियमित विशेषता के रूप में रचनात्मक और सार्थक नवाचार के लिए हमेशा पर्याप्त प्रीमियम का भुगतान किया है।

इस तरह के निरंतर और निरंतर प्रयास का प्रतिबिंब दशकों से और विशेष रूप से पिछले दो दशकों में स्नातक पाठ्यचर्या ढांचे के क्रमिक संशोधन में स्पष्ट रूप से उदाहरण दिया गया है, जो विश्व स्तर पर नई सहस्राब्दी में उच्च शिक्षा में उभरते रुझानों और इसे समृद्ध बनाने में इसके महत्वपूर्ण महत्व के साथ तालमेल रखता है। हमारे देश के युवा, किसी भी अन्य चीज़ की तुलना में नवीन और व्यावहारिक-उन्मुख शिक्षण-शिक्षण के माध्यम से कौशल विकास की प्रचलित प्राथमिकताओं से सुसज्जित हैं।

महान उद्देश्य को साकार करने के लिए, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संक्षेप में बताया गया है, विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के उद्देश्य और अंतर्निहित दर्शन के अनुरूप अपने स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे के आगे पुनर्गठन और परिशोधन की संभावना तलाशने का प्रयास किया है। हमारे देश के युवाओं की कल्पना जो विश्व स्तर पर हमारे जनसांख्यिकीय लाभ की समकालीन वास्तविकताओं को दर्शाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस व्यापक अभ्यास का परिणामी परिणाम अंडरग्रेजुएट पाठ्यचर्या रूपरेखा-2022 (यूजीसीएफ-2022) है जो न केवल एनईपी 2020 के दिल और आत्मा को अक्षरशः रेखांकित करता है बल्कि एक शिक्षण-सीखने की रूपरेखा भी तैयार करता है। युवा मस्तिष्कों को अनुसंधान की ओर आकर्षित करने के लिए स्नातक स्तर पर, नवाचार, प्रशिक्षुता, सामाजिक आउटरीच, उद्यमिता और मानव ज्ञान और प्रयास के ऐसे ही क्षेत्र, विश्वविद्यालय और उसके घटक कॉलेजों के वास्तव में चार्ज किए गए शैक्षणिक वातावरण को आत्मसात करते है |

इस इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) ने पिछली शताब्दी में उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता की अपनी खोज में कोई कसर नहीं छोड़ी है, और यूजीसीएफ-2022 विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के ऐतिहासिक अवसर पर नई सहस्राब्दी में इस समृद्ध परंपरा को आगे ले जाने के लिए नियत है।

- अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क- 2022 (UGCF) का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्रणाली में प्रणालीगत परिवर्तन लाना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ खुद को संरेखित करना है। यूजीसीएफ तैयार करते समय एनईपी के निम्नलिखित उद्देश्यों को परिप्रेक्ष्य में रखा गया है:

- वास्तव में वैश्विक नागरिक के विश्व दृष्टिकोण रखने वाले छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना;
- छात्रों को लचीलापन प्रदान करने के लिए ताकि शिक्षार्थियों को अपने सीखने के प्रक्षेपवक्र और कार्यक्रमों को चुनने की क्षमता हो, और इस तरह उनकी प्रतिभा और रुचियों के अनुसार जीवन में उनके रास्ते चुनें;
- अध्ययन के विषयों/क्षेत्रों और सीखने के विभिन्न क्षेत्रों के बीच साइलो के बीच हानिकारक पदानुक्रम को खत्म करने के लिए;
- सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए बहुविषयकता और समग्र शिक्षा;
- रचनात्मकता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने और तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए;
- नैतिकता और मानव और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना;
- बहुभाषावाद और सीखने और शिक्षण में भाषा की शक्ति को बढ़ावा देना;
- संचार, सहयोग, टीम वर्क और लचीलापन जैसे जीवन कौशल प्रदान करने के लिए;
- उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए एक सह-आवश्यकता के रूप में उत्कृष्ट अनुसंधान को बढ़ावा देना;
- किसी विशेष विषय या अध्ययन के क्षेत्र के लिए प्रासंगिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करना

.

यूजीसीएफ 2022 का अवलोकन, बहु-विषयक दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से सामने लाता है, पाठ्यक्रम ढांचे के भीतर नवीन तरीकों का पालन करने से छात्र को स्नातक स्तर पर अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने में अधिकतम लचीलेपन की अनुमति मिलती है, जिससे अंततः डिग्री डिजाइन करने की स्वतंत्रता मिलती है। गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों दृष्टियों से, शिक्षण-अधिगम से समझौता किए बिना, अपने जीवन के लक्ष्यों के संदर्भ में छात्र की जरूरतों और आकांक्षाओं के आधार पर कई निकास विकल्पों के साथ। विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर इस तरह के एक लचीले लेकिन कठोर पाठ्यक्रम ढांचे के लाभों का उपयोग करने और अपने हित के क्षेत्र में अपने कौशल के संवर्धन के माध्यम से इसका लाभ उठाने में छात्र बिरादरी की अधिकतम भागीदारी की उम्मीद करता है जो अंततः उन्हें रोजगार, उद्यमिता, स्टार्ट-अप और गरिमापूर्ण जीवन के विभिन्न अन्य तरीकों और तुलनीय कौशल और अभिनव विचारों के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में रहने में मदद करेगा। समकालीन वैश्विक मांगें।विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि युवा राष्ट्र एक तरफ युवा ऊर्जा का दोहन करने के लिए कुशल जनशक्ति विकसित करने में यूजीसीएफ-2022 से अधिकतम लाभ प्राप्त करेगा और दूसरी ओर जनसांख्यिकीय लाभ लेते हुए विश्व स्तर पर कुशल कार्यबल के प्रसार का विस्तार करेगा।

यूजी पाठ्यक्रमों की संरचना

एनईपी: यूजीसीएफ फ़्लोचार्ट
(QR कोड स्कैन करें)

एनईपी: यूजीसीएफ 2022 पाठ्यक्रम
(QR कोड स्कैन करें)

कॉलेज पत्रिकाएँ

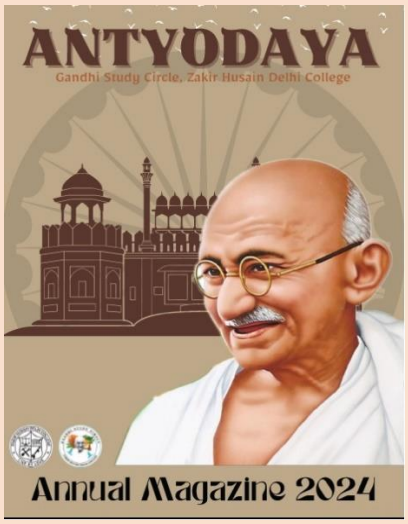
ANTYODAYA
Gandhi Study Circle, Zakir Husain Delhi College
Annual Magazine 2024

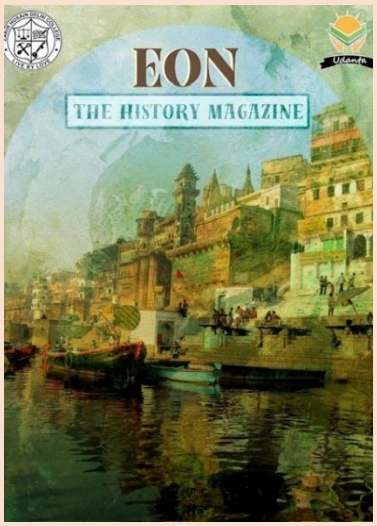
EON
THE HISTORY MAGAZINE

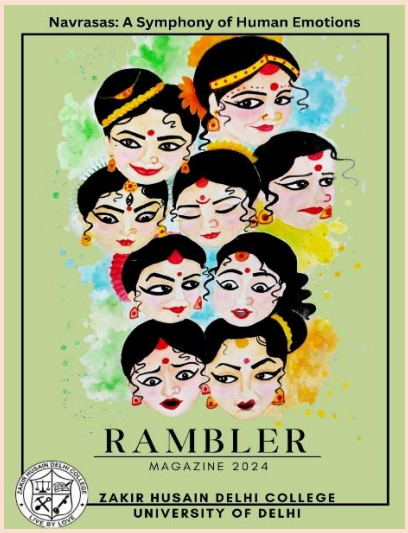
Navrasas: A Symphony of Human Emotions
RAMBLER
MAGAZINE 2024
ZAKIR HUSAIN DELHI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

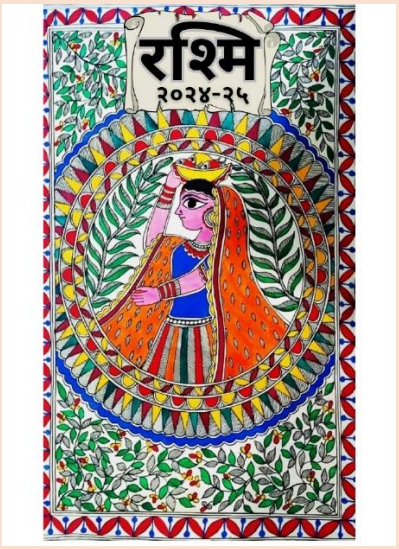
रश्मि
२०२४-२५

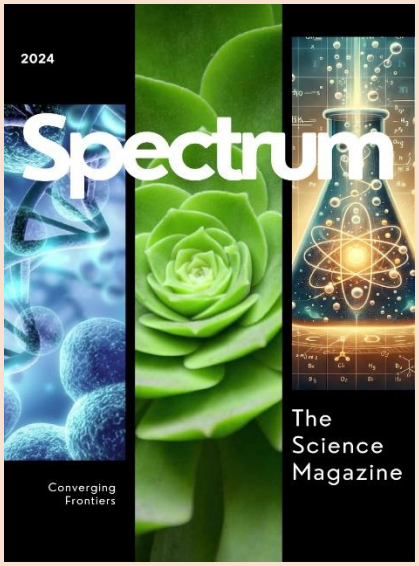
2024
Spectrum
The Science Magazine
Converging Frontiers

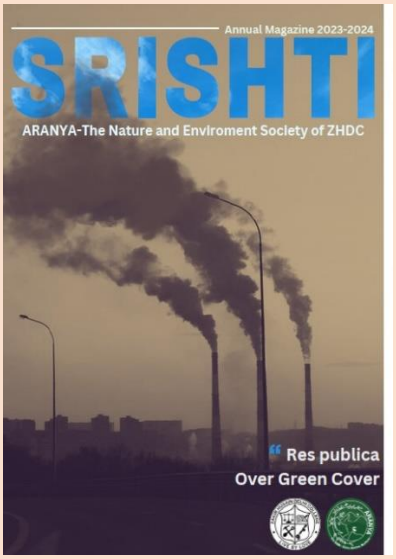
Annual Magazine 2023-2024
SRISHTI
ARANYA-The Nature and Enviroment Society of ZHDC
Res publica
Over Green Cover

मीडिया कवरेज

स्वतंत्रता व समानता संविधान का मूल : डा. कृष्ण गोपाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा.कृष्ण गोपाल ने कहा कि अंबेडकर मानते थे कि संविधान को व्यवहार में लाना चाहिए। समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना संविधान का मूल है। डा. गोपाल ने ये विचार सोमवार को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में डा. भीमराव अंबेडकर सेंटर के सहयोग से आयोजित व्याख्यान में व्यक्त किए।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से की गई। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह ने डा. कृष्ण गोपाल का परिचय देते हुए उन्हें राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवक कहा। डा. कृष्ण गोपाल ने संविधान सभा में दिए डा. अंबेडकर के अंतिम भाषण की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। डा. कृष्ण गोपाल ने स्वतंत्रता, बंधुता, समानता तीनों के महत्व और योगदान की चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने अंबेडकर के जीवन संघर्ष की भी सारगर्भित चर्चा की। संयोजक डा.मनीष कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन विकसित भारत 2047 की नोडल अधिकारी डा. सायमा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र-गान से हुआ।

जाकिर हुसैन में स्नातक के चार छात्रों को 7.5 लाख का जॉब ऑफर

प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित जॉब व इंटर्नशिप फेयर में 250 छात्रों को नौकरी की पेशकश; पहले, दूसरे व तीसरे वर्ष के 300 छात्रों को इंटर्नशिप का ऑफर

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में जॉब व इंटर्नशिप फेयर में स्नातक के चार छात्रों को अधिकतम सैलेरी पैकेज के रूप में 7.5 लाख रुपये के जॉब ऑफर की पेशकश की गई है। यह ऑफर बीते साल के प्लेसमेंट से करीब 25 फीसदी ज्यादा है। वहीं न्यूनतम सैलेरी पैकेज के रूप में 3.5 लाख रुपये की पेशकश हुई है। कॉलेज में पांच व छः मार्च को जॉब व इंटर्नशिप फेयर आयोजित किया गया। इसमें 300 छात्रों को इंटर्नशिप के ऑफर व 250 छात्रों को जॉब ऑफर किए गए। कॉलेज के अनुसार बीते साल के मुकाबले में यह इस फेयर में बेहतर रेस्पांस मिला है।

कॉलेज के प्लेसमेंट प्रमुख डॉ धीरज कुमार सिंह के अनुसार दो दिन के इस जॉब व इंटर्नशिप फेयर में करीब 45 कंपनियां कॉलेज परिसर में पहुंची। इनमें टाटा एआई, टेक महिन्द्रा, जियो टेक जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने विभिन्न चरणों के आधार पर 250 छात्रों को जॉब की पेशकश की है। अधिकतम सैलेरी पैकेज 7.5 लाख रहा है। जो कि चार छात्रों को मिला है इनमें एक मैथमेटिक्स व तीन कॉमर्स प्रोग्राम के छात्र हैं। केवल तीसरे वर्ष के स्नातक छात्रों को ही नौकरी की पेशकश हुई है। इसमें कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ बाकी कॉलेजों के छात्रों ने भी हिस्सा लिया।

डॉ सिंह ने बताया कि यह जॉब व इंटर्नशिप फेयर इसलिए अच्छा रहा है कि क्योंकि एक तो इस बार ज्यादा कंपनियां कैंपस पहुंची हैं। पिछले साल करीब 36 कंपनियां आई थी जबकि इस बार कंपनियों की संख्या 45 रही है। वहीं बीते साल की तुलना में सैलेरी पैकेज में भी 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस फेयर में छात्रों का उत्साह बढ़ाने के लिए सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी एम हर्षवर्धन व वित्त मंत्रालय में संयुक्त निदेशक दीपिका श्रीवास्तव समेत कॉलेज प्रिंसिपल नरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

कालेज में हुई विवेकानंद अध्ययन केंद्र की शुरुआत

विवेकानंद अध्ययन केंद्र के शुभारंभ पर मौजूद अतिथिगण ● सौ.कालेज

जासं, नई दिल्ली : युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के विचारों से जोड़ने के लिए डीयू के जाकिर हुसैन कालेज में विवेकानंद अध्ययन केंद्र की शुरुआत की गई है। इसमें विवेकानंद साहित्य समेत उनके ऊपर किए गए शोध कार्यों से संबंधित आलेख और पुस्तकों को रखा गया है, ताकि छात्र उनके बारे में जान सकें। सोमवार को इसका शुभारंभ माउंट एवरेस्ट विजेता मीनू कालीरमन और पहलवान संग्राम सिंह ने किया। मीनू ने छात्रों से कहा कि सफलता के लिए छोटा रास्ता नहीं है। कड़ी मेहनत करनी होती है। पहलवान संग्राम सिंह ने कहा कि चरित्र ही किसी व्यक्ति के भविष्य की दिशा को तय करता है विवेकानंद अध्ययन केंद्र के संयोजक डा. धीरज कुमार सिंह ने बताया कि इसके तहत 40 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स फाउंडेशन आफ मशीन लर्निंग कराया जाएगा। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह और विवेकानंद अध्ययन केंद्र के संयोजक डा. धीरज कुमार सिंह मौजूद रहे।

एकदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया

नई दिल्ली (सं.)। जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के गाँधी अध्ययन मंडल और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद तथा गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में '21वीं सदी में भारत और विश्व के लिए संघर्ष समाधान के गांधीवादी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत तथा गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन' से हुई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के जॉइन्ट डीन ऑफ कॉलेज प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने कहा कि गांधी जी महर्षि बाल्मीकि और तुलसी के राम से प्रभावित हैं। वह सतत विकासमान भारतीय विचारधारा की एक कड़ी हैं। स्वामी विवेकानंद और गांधी दोनों ही भारतीयता एवं त्याग की प्रतिमूर्ति हैं। अपने स्वागत वक्तव्य में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने गांधी जी के विचारों के प्रभाव और व्यवहार की बात की। अहिंसा मानव का मूल स्वभाव है। इसकी रक्षा ही सही अर्थों में गांधी जी से हमें जोड़ती है। बीज वक्तव्य देते हुए प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक प्रो. डेनिस डाल्टन ने गांधी जी के जीवन में सत्याग्रह के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए वर्तमान समय में उसकी उपयोगिता की चर्चा की। सत्याग्रही जीवन ही नागरिक अधिकारों को बनाए रखने और नागरिक कर्तव्यों का पालन करने का सही मार्ग है। गांधी अध्ययन मंडल के संयोजक प्रो. संजीव कुमार ने विस्तार में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वर्तमान समय में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए गांधी जी के विचारों को व्यवहार में लाने की बात कही। उन्होंने मानव जीवन की उपमा कुँए से देते हुए कहा कि बाल्टी में वही निकलेगा जो कुँए में होगा। गांधी जी के विचार हमें स्वयं को स्वच्छ-मीठे जल के कुँए जैसा बनने की प्रेरणा देते हैं।

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज मॉर्निंग में मोटिवेशनल लेक्चर का आयोजन

■ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए समय, कड़ी मेहनत और ईमानदारी ज़रूरी है: शरद मणि ठाकुर

मौहम्मद तसलीम

नई दिल्ली।विकसित भारत@2047 की गतिविधियों के अंतर्गत जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज मॉर्निंग में आईक्यूएसी एजिस और उर्दू विभाग के तत्वाधान में एक मोटिवेशनल लेक्चर का आयोजन किया गया।जिसमें मोटिवेशनल स्पीकर शरद मणि ठाकुर, निदेशक शरद मणि ठाकुर ज्योग्राफी क्लासेज फॉर यूपीएससी ने मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत में प्रोफ़ेसर मुहम्मद जाफर अहरारी ने सम्मानित अतिथि को गुलदस्ता पेश कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत और स्वागत बज़्म ए अदब के अध्यक्ष डॉ. हृदय भानु प्रताप ने किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत @2024अभियान के तहत भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रधानमंत्री का सपना हम सब की कोशिशों से एक दिन पूरा होगा।युवाओं की सेवाएं निश्चित रूप से इस राह में मील का पत्थर साबित होंगी। उर्दू विभाग जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज से निकलने वाला हर बच्चा अपने देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।विभाग के सीनियर शिक्षक प्रोफेसर मुहम्मद जाफ़र अहरारी ने अतिथि वक्ता का परिचय दिया और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने विचार भी व्यक्त किए।मोटिवेशनल स्पीकर शरद मणि ठाकुर ने सिविल सर्विस और प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित जानकारी देते हुए तैयारी के स्तर, आवंटित समय का उचित उपयोग, महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम अध्ययन सामग्री के बारे में बताया और कहा कि ईमानदारी से कहूं तो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए कम से कम डेढ़ साल का समय चाहिए। उन्होने कहा कि सफलता के लिए समय का सही इस्तेमाल करें, जीवन की सभी चुनौतियों को स्वीकार करें और आगे बढ़ने का जज्बा बनाए रखें। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी करने के लिए नवी कक्षा, दसवीं कक्षा, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की एनसीईआरटी की किताबे पढ़ने का मशवरा दिया। इसके अलावा मौजूदा हालात के लिए हर दिन अखबार की ताजा खबरों की जानकारी रखना भी बहुत जरूरी है।उन्होंने छात्रों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के बजाय किताबों का अध्ययन करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए समय का निवेश, कड़ी मेहनत और ईमानदारी आवश्यक है। उन्होंने दृढ़ संकल्प, निरंतरता, ईमानदार अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। वर्तमान परिस्थिति, सरलता और समय का ईमानदारी से उपयोग। व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के साथ-साथ संयमित आशीर्वाद की विधि से सादगी जरूरी है।अंत में प्रभारी शिक्षक डॉ.आलम शम्स ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहला कार्यक्रम है इस तरह का आयोजन उर्दू विभाग द्वारा आगे भी इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे ताकि यहां से निकलने वाले छात्रों को अपने अगले गंतव्य के लिए रास्ता चुनने में कोई परेशानी न हो। इस कार्यक्रम में उर्दू के अलावा फारसी विभाग के शिक्षक और छात्र भी शामिल हुए जिनमे डॉ. सलीम जावेद, डॉ. सफीना बेगम, डॉ. मोइनुद्दीन, डॉ. शहाना मरियम शान, डॉ. इमरान चौधरी, डॉ. आमिर और बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

16:43 etvbharat.com/hi/!state/ir

ETV Bharat Delhi

लाइव | राज्य | भारत | मनोरंजन | चैंपियन | धर्म

ETV Bharat / State

दिल्ली में विवेकानंद अध्ययन केंद्र का शुभारंभ, एक मार्च से शुरू होगा फाउंडेशन ऑफ मशीन लर्निंग कोर्स

Follow Us | 3 Min Read

By ETV Bharat Delhi Desk
Published : 7 hours ago

Vivekananda Study Centre: हुसैन कॉलेज में विवेकानंद अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया गया. यह कोर्स एक मार्च से शुरू होगा. इसमें 100 सीटें होंगी. सप्ताह में एक दिन दो घंटे की ऑनलाइन क्लास होंगी.

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में सोमवार को विवेकानंद अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया गया. इसके उद्घाटन के लिए माउंट एवरेस्ट विजेता मीनू कालीरमन और पहलवान संग्राम सिंह को अतिथि के रूप में बुलाया गया था. इस अवसर पर 'विवेकानंद अध्ययन केन्द्र' के संयोजक डॉ. धीरज कुमार सिंह ने बताया कि जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की तरफ से शुरू होने वाले 40 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स- फाउंडेशन ऑफ मशीन लर्निंग' की जल्दी ही शुरूआत की जाएगी.

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने मनाया युवा उत्सव

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : अनुराग सिंह ठाकुर

NBT

संस्था समाचार

राष्ट्रीय युवा सम्मेलन

■ जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज की NSS यूनिट ने राष्ट्रीय युवा सम्मेलन TAARUNYA'24 के अपने सातवें संस्करण का आयोजन किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह ने स्टूडेंट्स से अनुशासन को जीवन के तरीके के रूप में अपनाने का आग्रह किया। NSS कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मुकेश कुमार जैन ने दूसरों की मदद करने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, विशिष्ट अतिथि स्पेशल पुलिस कमिश्नर अजय चौधरी और साइबर एक्सपर्ट रक्षित टंडन थे। स्वामी प्रेम परिवर्तन, आयुषी माथुर, तेजस, सुधांशु रंजन, सी सैमुअल और नरेंद्र विश्नोई ने अपने विचार साझा किए।

DANIK JAGRAN

भारत बन रहा विनिर्माण का केंद्र : अनुराग

HINDUSTAN

राष्ट्रीय युवा सम्मेलन आयोजित

JOURNEY OF SUCCESS

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने मनाया युवा उत्सव:तरूणया

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : अनुराग सिंह ठाकुर

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सियासी तक़दीर

नई दिल्ली व भोपाल से प्रकाशित

SIYASI TAQDEER (DELHI) www.siyasitaqdeer.com

ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में 'सुविज्ञान' महोत्सव 2024 का सफल आयोजन

सियासी तक़दीर ब्यूरो।

नई दिल्ली। ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय विकसित भारत 2047, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की एक दूरदर्शी पहल है।इसका लक्ष्य 2047 तक भारत को पूरी तरह से विकसित राष्ट्र बनाना है। यह लक्ष्य भारत की विकास यात्रा में आधारशिला के रूप में विभिन्न विषयों में सहयोग के साथ-साथ वैज्ञानिक ज्ञान और नवाचार की पहचान कराता है। इस लक्ष्य के प्रति योगदान के रूप में, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय नेविज्ञान महोत्सव श्रृंखला की शुरुआत की। इस श्रृंखला के प्रथम चरण के अंतर्गत कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर नरेंद्र सिंह के कुशल मार्गदर्शन में दो दिवसीय कार्यक्रम 'सुविज्ञान' द्व विज्ञान महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया।आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के अंतर्गत आयोजितइसविज्ञान महोत्सव ने अंतर्विभागीय संबंधों को बढ़ावा देने, पारंपरिक विचार की सीमाओं को तोड़ने हुए यह पहचानने की शुरुआत की कि विज्ञान की प्रगति के लिए विविध दृष्टिकोणों का अभिसरण आवश्यक है। इस महोत्सव ने विभिन्न अनुशासनों के छात्रों को एक साथ लाने और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक साझा मंच प्रदान करते हुए वैज्ञानिक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में नए मार्ग प्रशस्त किए। विज्ञान महोत्सव के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष माननीय प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भारतीय विज्ञान की प्रासंगिकता के बारे में बात की। आयोजन के मुख्य अतिथिदिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने विज्ञान महोत्सव "सुविज्ञान" की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर अंतरविभागीय और इंटरकॉलेज कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसका उद्देश्यविद्यार्थियों में रचनात्मकता को जगाने, वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और नवाचार की लौ को प्रज्वलित करनाथा। यह आयोजन न केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आकांक्षाओं के अनुरूप रहने के साथ ही माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित परिवर्तनकारी परिणामों के लिए उत्प्रेरक भी बना। समापन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणि दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग के एमेरिटस प्रोफेसर मन मोहनअतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रो. नरेंद्र सिंह ने इस सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक ज्ञान भारतीय संस्कृति की जड़ोंमें समाहित है। इसके बाद विशिष्ट अतिथियों और प्राचार्य द्वारा विज्ञान महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक, प्रमाण-पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। अंतर्विभागीय रोलिंग ट्रॉफी लाइफ साइंस सोसायटी के छात्रों को प्रदान की गई। वनस्पति विज्ञान और जीवन विज्ञान विभाग (2022-23) के टॉपर्स को प्रतिष्ठित डॉ. हरजिंदर ग्रोवर और कौल मेमोरियल योग्यता प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि दी गई। इस अवसर पर विज्ञान महोत्सव की समन्वयक डॉ. बबीता सी कौल और नोडल अधिकारी डॉ. साइमा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रॉस्पेक्टस समिति 2024-25

डॉ. साइमा (संयोजक)	डॉ. अरुण गोयल	डॉ. सज्जन कुमार
डॉ. संचिता शर्मा,	डॉ. सुनैना सैनी,	डॉ. भूपेंद्र कुमार
सुश्री स्वर्णिका,	श्री अभिनव सिंह,	सुश्री अपर्णा
श्री एम. जफर कमाल,	श्री रहमत साबरी,	सुश्री फराह अकील